■ आश्विन कृष्णा - 3 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 11 ■ अंक - 70 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » सोमवार » 02-10-2023 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

# दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

4 इस बार चुनाव में आपराधिक पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवारों के बारे में देना होगा स्पष्टीकरण

6 लाल बहादुर शास्त्री : छोटा कद दृढ़ व्यक्तित्व

7 प्रधानमंत्री ने गांधी के 'स्वच्छता ही सेवा' के मंत्र को लागू किया : शाह

## फर्स्ट टेक

### मालदीव: पूर्व राष्ट्रपति को जेल से निकालकर नजरबंद किया गया

**माले/एपी।** मालदीव के राष्ट्रपति चुनाव में मोहम्मद मुइज के निर्वाचित होने के साथ ही पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल्ला यामीन को जेल से निकालकर घर में नजरबंद कर दिया गया है। पूर्व राष्ट्रपति यामीन अपने कार्यकाल (2013 से 2018 तक) के दौरान रिश्वतखोरी और धनशोधन के आरोपों के तहत जेल में बंद हैं। मुइज पूर्व राष्ट्रपति यामीन की पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार थे। जेल से घर में नजरबंद करने का 'स्थानांतरण आदेश' निवर्तमान राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह ने निर्वाचित राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज़ के अनुरोध पर दिया है। मुइज़ 17 नवंबर को शपथ लेंगे।

### अमेरिका ने यूक्रेन को दी जाने वाली आर्थिक मदद में की कटौती

**वाशिंगटन/एपी।** अमेरिकी संसद ने सरकारी कामकाज के सुचारू संचालन के लिए एक अनुदान विधेयक को मंजूरी दे दी है, जिसमें युद्धग्रस्त यूक्रेन को दी जाने वाली आर्थिक मदद में कटौती की गई है। संसद के इस फैसले से, अमेरिका की ओर से यूक्रेन को दी जाने वाली मदद पर खतरा मंडराने लगा है। हालांकि यूक्रेन समर्थक सांसदों का कहना है कि वे हार नहीं मानेंगे। फिर भी, कई सांसदों ने स्वीकार किया है कि यूक्रेन को दी जाने वाली सहायता को संसद से मंजूरी दिलाना कठिन होता जा रहा है क्योंकि रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध जारी है। रिपब्लिकन पार्टी के सांसद मदद का विरोध कर रहे हैं। इस सप्ताह संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा में अनुदान विधेयक पर मतदान होने के बाद आगे की राह मुश्किल होने के संकेत मिल रहे हैं। प्रतिनिधि सभा में रिपब्लिकन पार्टी के आधे सदस्यों ने यूक्रेन को हथियार खरीदने और सैनिकों को प्रशिक्षित करने के लिए दी जाने वाली 30 करोड़ अमेरिकी डॉलर की मदद के खिलाफ मतदान किया।

### ओडिशा में तीन शव बरामद, गला रेता गया

**भवानीपटना (ओडिशा)/भाषा।** ओडिशा के कालाहांडी जिले में तीन शव बरामद किए गए जिनके गले रेते गए थे। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। ये शव जूनागढ़ पुलिस थाना क्षेत्र में समकरपाल-डुंडा रोड के पास एक सुनसान इलाके में पाए गए, जिनमें एक शव दो साल के बच्चे का भी है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मृतकों की शिनाख्त रैमती माझी (35), उसके दो वर्षीय पुत्र और महेन्द्र कुमार (65) के तौर पर की गई है। जूनागढ़ पुलिस थाने के प्रभारी निरीक्षक शेषदेव बेहरा ने कहा कि हत्या में इस्तेमाल किया गया हथियार अभी नहीं मिला है।

| | |
|---|---|
| 02-10-2023 सूर्यास्त 5:58 बजे | 03-10-2023 सूर्योदय 5:58 बजे |
| BSE 65,828.41 (+320.09) | NSE 19,638.30 (+114.75) |
| सोना 5,992 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम | चांदी 76,000 रु. प्रति किलो |

### मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

#### लूटो बैंक का मजा

सरकारी है बैंक लूटिए माल,
आप सब जी भर कर।
ले जाएं धन चाहे जितना,
फर्जी दस्तावेजों को धर।
होंगे कर्जे सब माफ,
ब्याज की भी कर देंगे कम दर।
आधार हमारे बैंक बने,
परदेश चले जाएं घर भर।।

## महात्मा गांधी की विचारधारा दुनिया के लिए हमेशा प्रासंगिक रहेगी : राष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को कहा कि महात्मा गांधी की मजबूत और जीवंत विचारधारा दुनिया के लिए हमेशा प्रासंगिक बनी रहेगी। मुर्मू ने लोगों से देशहित में उनकी विचारधारा और शिक्षाओं का अनुसरण करने का भी आह्वान किया।

गांधी जयंती की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, ''गांधी जी की सत्य और अहिंसा के आदर्शों ने दुनिया के लिए नया मार्ग प्रशस्त किया है। गांधी जी ने अपने पूरे जीवन में न केवल अंहिसा के लिए लड़ाई लड़ी, बल्कि उन्होंने स्वच्छता, महिला सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता और किसानों के अधिकारों के लिए भी काम किया। वह अस्पृश्यता, सामाजिक भेदभाव और निरक्षरता के खिलाफ लड़ें।'' उन्होंने कहा कि गांधी जी ने लोगों को स्वतंत्रता संघर्ष में हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया और बड़े आंदोलन का नेतृत्व किया, जिसने इतिहास की धारा बदल दी और आजादी मिली।

राष्ट्रपति ने कहा, ''मैं सभी नागरिकों की ओर से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को उनकी 154वीं जयंती पर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं।'' उन्होंने कहा कि मार्टिन लूथर किंग जूनियर, नेलसन मंडेला, बराक ओबामा और दुनिया के कई अन्य नेता गांधी जी के विचारों से प्रभावित हुए।

## भ्रष्ट नहीं बल्कि पारदर्शी व ईमानदार सरकार चाहता है तेलंगाना : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**हैदराबाद/भाषा।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेतृत्व वाली तेलंगाना सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रदेश के लोग बदलाव चाहते हैं, क्योंकि उन्हें झूठे वादों की नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर ठोस काम की जरूरत है।

मोदी ने यहां महबूबनगर जिले में एक जनसभा को संबोधित करते हुए दावा किया कि भाजपा, तेलंगाना के लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, ''मैं आश्वस्त हूं कि तेलंगाना के लोगों ने बदलाव का अपना इरादा पक्का कर लिया है। तेलंगाना बदलाव चाहता है, क्योंकि आप राज्य में भ्रष्टाचार नहीं, पारदर्शी व ईमानदार सरकार चाहते हैं। तेलंगाना बदलाव चाहता है, क्योंकि अब उसे झूठे वादे नहीं, जमीन पर काम चाहिए और भाजपा सरकार चाहिए।''

प्रधानमंत्री ने उत्साहित भीड़ से कहा कि 'नारी शक्ति वंदन' विधेयक हाल ही में पारित किया गया है और अब महिलाओं की आवाज को न केवल संसद में, बल्कि हर राज्य विधानसभा में पहले से अधिक मजबूत किया जाएगा।

महिलाओं के सशक्तीकरण की दिशा में केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए कदमों व विभिन्न योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि तेलंगाना की बहनें जानती हैं कि उनका एक भाई दिल्ली में है, जो निरंतर उनका जीवन बेहतर करने के प्रयास में 'जी-जान' से जुटा है।

मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली तेलंगाना सरकार पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने केंद्र की योजनाओं को 'अपनी काली कमाई का जरिया बना' लिया है। उन्होंने कहा, ''तेलंगाना में सिंचाई परियोजनाओं के नाम पर सिर्फ और सिर्फ भ्रष्टाचार हुआ है।'' उन्होंने भीड़ से सवाल किया, ''क्या आपने सुना है कि किसी सिंचाई परियोजना का उद्घाटन हो गया, लेकिन उससे किसानों को पानी नहीं मिल रहा है?'' उन्होंने कहा कि ऐसा तेलंगाना में हो रहा है और यहां के किसान यह सब देख रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने राज्य सरकार पर किसानों से किए वादों से भी मुकरने का आरोप लगाया और दावा किया कि इन 'खोखले वादों' की वजह से कई किसानों को अपनी जान देनी पड़ी, क्योंकि राज्य सरकार ने उनकी समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया। उन्होंने कहा, ''तेलंगाना में हमारी सरकार नहीं है, फिर भी हमने यहां के किसानों की मदद करने का भरपूर प्रयास किया।''

## भारत को और अधिक मजबूत सशस्त्र बलों की जरूरत : राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लिए आधुनिक उपकरणों से लैस और अधिक मजबूत सशस्त्र बलों की जरूरत है तथा उन्होंने सेना के तीनों अंगों द्वारा वित्तीय संसाधनों के प्रभावी उपयोग की आवश्यकता पर जोर दिया। सिंह ने दिल्ली छावनी में रक्षा लेखा विभाग (डीएडी) के 276वें वार्षिक दिवस समारोह में उसकी कई डिजिटल पहल की शुरुआत करने के बाद ये टिप्पणियां कीं।

डीएडी को ''रक्षा वित्त का संरक्षक'' बताते हुए उन्होंने आंतरिक सतर्कता तंत्र मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि का तुरंत पता लगाया जा सके। उन्होंने कहा कि इससे न केवल समस्या से तुरंत निपटने में मदद मिलेगी बल्कि रक्षा लेखा विभाग पर लोगों का विश्वास भी बढ़ेगा।

सिंह ने कहा, ''अगर हम एक विकसित राष्ट्र बनाना चाहते हैं तो हमें आधुनिक हथियार तथा उपकरणों से लैस मजबूत सशस्त्र सेनाओं की आवश्यकता होगी। अत: हमारे पास उपलब्ध वित्तीय संसाधनों का प्रभावी उपयोग करना आवश्यक है।'' उन्होंने कहा, ''सेवाओं की मांग और उपलब्ध संसाधनों के आवंटन में अच्छा संतुलन होना चाहिए।''

रक्षा मंत्री ने डीएडी को एक आंतरिक स्थायी समिति बनाने का भी सुझाव दिया जो बाजार के बारे में अध्ययन कर सके और जमीनी स्तर पर काम कर रहे अधिकरियों को बाजार के बारे में उच्च गुणवत्ता वाली सूचना उपलब्ध करा सके।

## शिवाजी का 'वाघ नख' तीन साल के लिए ब्रिटेन से भारत लाया जाएगा

**चंद्रपुर (महाराष्ट्र)/भाषा।** छत्रपति शिवाजी महाराज के प्रसिद्ध 'वाघ नख' (बाघ के पंजे वाला खंजर) को तीन साल के लिए ब्रिटेन के संग्रहालय से महाराष्ट्र वापस लाया जाएगा। राज्य के सांस्कृतिक मामलों के मंत्री सुधीर मुनगंटीवार ने रविवार को यह जानकारी दी। रविवार देर रात ब्रिटेन के लिए रवाना होने वाले मुनगंटीवार ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''छत्रपति शिवाजी महाराज के वाघ नख को तीन साल की अवधि के लिए भारत वापस लाने की खातिर राज्य सरकार और लंदन स्थित विक्टोरिया एंड अल्बर्ट संग्रहालय मंगलवार को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करेंगे।'' उन्होंने कहा कि समझौते पर हस्ताक्षर के बाद वाघ नख को जल्द ही महाराष्ट्र वापस लाए जाने की संभावना है। शिवाजी महाराज ने 1659 में बीजापुर सल्तनत के सेनापति अफजल खान को मारने के लिए वाघ नख का इस्तेमाल किया था।

## भारत में अफगान दूतावास ने कामकाज बंद करने की घोषणा की

**नई दिल्ली/भाषा।** भारत में अफगानिस्तान के दूतावास ने मेजबान देश से सहयोग नहीं मिलने का दावा करते हुए शनिवार रात को घोषणा की कि वह एक अक्टूबर से यहां अपना कामकाज बंद कर रहा है। अफगान दूतावास ने एक बयान में कहा कि उसे इस फैसले की घोषणा करते हुए अफसोस हो रहा है। बयान के अनुसार, ''बड़े दुख और निराशा के साथ नई दिल्ली स्थित अफगानिस्तान दूतावास अपना कामकाज बंद करने के इस फैसले की घोषणा कर रहा है।''

## अमेरिका और भारत के संबंध चंद्रयान की तरह चांद पर और उससे भी आगे जाएंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**वाशिंगटन/भाषा।** विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि भारत और अमेरिका के संबंध अब तक के उच्चतम स्तर पर हैं और दोनों देश ऐसी स्थिति में पहुंच गए हैं, जहां वे एक दूसरे को वांछनीय, इष्टतम और सहज साझेदार के रूप में देखते हैं।

जयशंकर ने कहा कि ये द्विपक्षीय संबंध चंद्रयान की तरह चांद पर और उससे भी आगे जाएंगे।

भारतीय दूतावास द्वारा शनिवार को यहां आयोजित 'सेलिब्रेटिंग कलर्स ऑफ फ्रेंडशिप' कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए अमेरिका के विभिन्न हिस्सों से 'इंडिया हाउस' में एकत्र हुए सैकड़ों भारतीय-अमेरिकियों को संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा, ''आज यह स्पष्ट संदेश है कि हमारे रिश्ते अब तक के उच्चतम स्तर पर हैं, लेकिन जैसा कि अमेरिका में कहा जाता है कि आपने अभी तक कुछ भी नहीं देखा है, हम इन संबंधों को एक अलग स्तर, एक अलग जगह ले जाने वाले हैं।'' उन्होंने कहा, ''मैं कहना चाहूंगा कि इस बदलती दुनिया में भारत और अमेरिका एक ऐसी स्थिति में पहुंच गए हैं, जहां हम एक दूसरे को वांछनीय, इष्टतम और सहज साझेदारों के रूप में देखते हैं...।''

जयशंकर ने कहा कि जी20 की सफलता अमेरिका के सहयोग के बिना संभव नहीं हो सकती थी। उन्होंने कहा, ''जब चीजें अच्छी होती हैं, तो हमेशा मेजबान को इसका श्रेय मिलता है। यह उचित भी है, लेकिन यदि जी20 के सभी सदस्य देश इस आयोजन की सफलता के लिए काम नहीं करते, तो यह संभव नहीं था।''

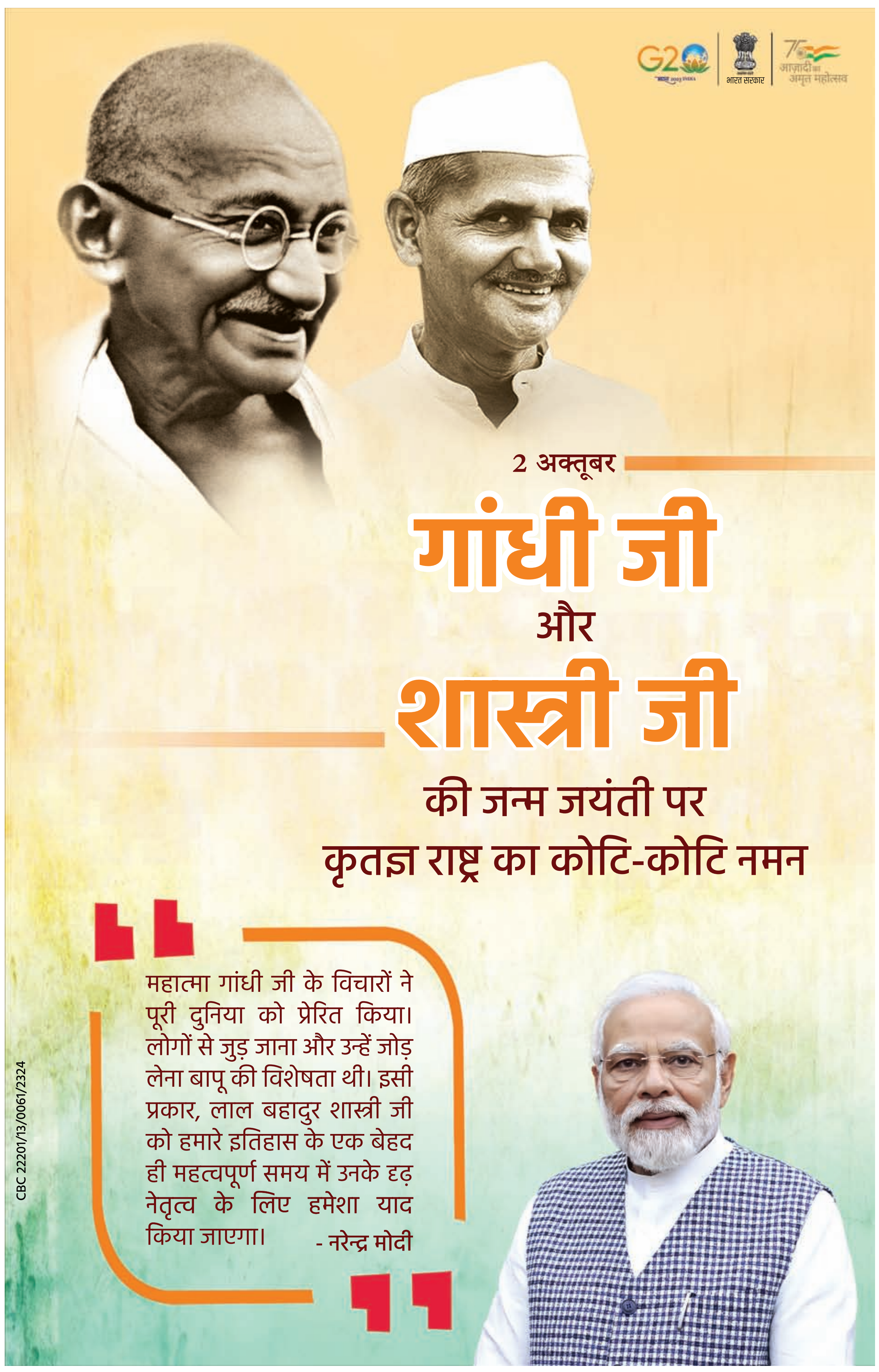

# जीवन की समस्याओं का सामना करे : देवेंद्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। हर किसी के जीवन में कुछ ना कुछ समस्याएं होती ही हैं। किसी के जीवन में छोटी तो किसी के जीवन में बड़ी। कुछ अपनी भौतिक जरूरतों के पूरा ना होने का रोना रोते हैं तो कोई किसी सगे की मृत्यु के शोक में अपना जीवन अथाह अंधकार में रखते हैं उक्त बातें आचार्य श्री देवेंद्रसागरसूरीजी ने सुमतिवल्लभ नोर्थटाउन श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ में प्रवचन देते हुए कहा। उन्होंने आगे कहा की जिस क्षण आप मुश्किल परिस्थितियों में अपना हौसला खो देते हैं वही आपकी सबसे बड़ी मजबूती भी बन सकती है। दुनिया में ऐसे तमाम उदाहरण हैं जिन्होंने अपना सब कुछ खोने के बाद ही पाया है।

कुछ खोने पर रोना जायज है लेकिन सिर्फ रोना नाकामयाब लोगों की निशानी है। अगर आपके किसी प्रिय की मृत्यु हो गई है उसका शोक मनाना सही है, एक समय के बाद आपको स्वीकार कर ही लेना चाहिए कि नियति के आगे आप बेबस हैं और आपके हाथ में कुछ है तो केवल आने वाला समय। ऐसे समय में वक्त को कोसना आसान है लेकिन इससे हासिल कुछ नहीं होता, केवल मानसिक अशांति मिलती है, आपसे कोई कीमती चीज प्रकृति ने ले ली हो तो उसका शोक मनाने की जगह प्रैक्टिकल होकर जीवन की सच्चाई को स्वीकार करना सीखना चाहिए। चुनौतियों और वास्तविकता स्वीकार करना ही जीवन की कठिन से कठिन परिस्थितियों से लड़ने का एक सबसे बड़ा हथियार है।अंत में आचार्य श्री ने कहा की अगर जीवन में कोई बड़ी समस्या आए तो वहां बजाय यह सोचने के कि यह मेरे साथ ही क्यों हो रहा है? मैंने ऐसा क्या कर दिया कि यह सब मेरे साथ हो रहा है? उसने यह मेरे साथ ही क्यों किया?' हमें इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि अब हमें आगे क्या करना चाहिए।

# हमें अपनी संस्कृति, धर्म पर गौरान्वित महसूस करना चाहिए : गणिवर्य समर्पणप्रभविजय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। किलपॉक श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन संघ में विराजित आचार्यश्री उदयप्रभ सूरीश्वरजी के शिष्य गणिवर्य समर्पणप्रभ विजयजी ने प्रवचन में दशवैकालिक सूत्र की विवेचना करते हुए कहा कि दश यानी इसमें दस विभाग है और वैकालिक यानी असज्झायकाल या अकाल या जब हम स्वाध्याय नहीं कर सकते हैं, ऐसी स्थिति में इस ग्रंथ का वांचन नहीं कर सकते हैं। इसकी रचना स्वयंभव सूरीजी ने की। स्वयंभवसूरीजी ब्राह्मण कुल के थे। उन्होंने कहा साधु जीवन में कैसे मोक्षमय बने। मन, इंद्रियों के विकारों पर कैसे विजय प्राप्त करे, इसका वर्णन इस सूत्र में हुआ है। उन्होंने कहा हमें अपनी संस्कृति, धर्म पर गौरान्वित महसूस करना चाहिए। संसार में रहते हुए अल्प हिंसा वाली वस्तुओं का उपयोग करना चाहिए। नियम और नियंत्रण के माध्यम से अति जीवहिंसा से बचा जा सकता है। सुपात्रदान का लाभ भी अतिसंयोग और पुण्य से प्राप्त होता है।

गणिवर्य ने बताया कि दशवैकालिक सूत्र में दस अध्ययन

बताए गए हैं ध्रुमपुष्पिका अध्ययन, श्रामन्य पूर्वक अध्ययन, क्षुल्लकाचार कथा, छ:जीवनीकाय अध्ययन, पिंडेशना अध्ययन, नवाचार, वाक्य शुद्धि, आचार प्रनिधि, विनय समाधि अध्ययन और सभिक्षु अध्ययन। उन्होंने कहा जैसे पुष्प रंगीन व सुगंधित होते हैं। भंवरे उसके ऊपर आकर बैठते हैं और रस चूसकर अपने जीवन का निर्वाह करते हैं। वैसे ही साधु भी आहार इस तरह से लेता है कि गृहस्थ को कष्ट नहीं पहुंचे, आराधना में विघ्न न आए।

उन्होंने कहा श्रावकों को भी गोचरी संबंधी सावधानियां रखनी चाहिए। साधु का जीवन काम, मोह, राग- द्वेष, भोग आदि कषायों को दूर रखकर विनयपूर्वक होना चाहिए। रात्रि भोजन का त्याग, स्नान आदि नहीं करनी चाहिए, वैसे 52 बिंदुओं का वर्णन इसमें हुआ है। साधु को 42 दोषों का निवारण करके गोचरी ग्रहण करनी चाहिए। साधु को सोच समझकर, विवेकपूर्ण बोलना चाहिए, मधुर भाषा का इस्तेमाल करना चाहिए। उनके शब्दों में विवेक झलकता रहना चाहिए। उन्होंने कहा मन, वचन, काया से किसी जीव को पीड़ा न हो, ऐसा उत्कृष्ट जीवन साधु का होना चाहिए। साधु को गुरु का उचित सम्मान करना चाहिए। साधु का मन पवित्र होना चाहिए। साधु में सरलता, विनय, मैत्रीभाव, अभिमानमुक्त आदि गुण होने चाहिए।

# कोयम्बटूर डिस्ट्रिक्ट पॉन ब्रोकर्स एसोसिएशन की साधारण सभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। दी कोयंबटूर डिस्ट्रिक्ट पॉन ब्रोकर्स एसोसिएशन की साधारण सभा कोवै कोंडाटम में रविवार को प्रात: आयोजित की गई। एसोसिएशन के अध्यक्ष गौतम कोचर ने अध्यक्षता की। मंगलाचरण जीतेन्द्र सिंह मेहता ने किया। संचालन सचिव अनिल बोहरा ने किया। सर्वप्रथम एसोसिएशन के पूर्व कोषाध्यक्ष टीकमराज भंडारी, जिनका हाल ही में देहावसान हो गया, को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। साधारण सभा में संघ से संबंधित विषयों पर विस्तार से विचार विमर्श किया गया। एसोसिएशन के सदस्यों के लिए एक स्नेह मिलन आयोजित करने का निर्णय किया गया।

आयोजन में तत्कालीन अध्यक्ष माणकचंद गादिया, सह सहसचिव तेजाराम बर्फा, कोषाध्यक्ष सुधीर संचेती,कार्यकारिणी सदस्य दिनेश पीपाड़ा, राजेश मुथा, जीवाराम, राजेश कुमार गादिया, धर्मीचंद, सेशाराम ने अपनी उपस्थिति दर्ज की। धन्यवाद देते हुए सचिव अनिल बोहरा ने सभी से आपसी सहयोग व सामंजस्य की अपील की। दिन भर एसोसिएशन के सदस्यों ने जल क्रीड़ा के खेलों का लुत्फ उठाया व आपसी मैत्री भाव से सौहार्दपूर्ण माहौल में परस्पर स्नेह व अपनत्व का परिचय दिया।

## अनुमोदना — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में चूलै स्थित आदिनाथ जैन ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित वर्षीतप के तपस्वियों के शांतापूर्वक आज 200 दिन पूर्ण हुए। इस मौके पर तपस्वी और आयोजन पक्ष बहुत प्रसन्न हुए। तप बहुत बड़ा है, अभी लगभग 250 दिन तप के बाकी हैं। विशेष सभी तपस्वी दक्षिण भारतीय परिवेश में आए थे और बियासणा का भोजन भी दक्षिण भारतीय था। धर्मप्रेमी हुलासमल प्रमोदकुमार चोरड़िया परिवार ने पूरे वर्षीतप कराने का लाभ लिया हुआ है। किशोर ओटमल छाजेड, रमेश मुठलिया, मनोज गुलेच्छा, अशोक राखीवाले आदि उपस्थित रह कर तपस्वियों का मनोबल बढ़ाया।

# 'विश्व भर में सर्वाधिक रोजगार और व्यवसाय के अवसर हिंदी के क्षेत्र में है'

## सेंट क्लारेट कॉलेज में हिन्दी दिवस मनाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सेंट क्लारेट कॉलेज में हिंदी दिवस का पर्व मनाया गया । महाविद्यालय के भाषा विभागाध्यक्ष डॉ. एन मादेश ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। हिंदी विभागाध्यक्षा डॉ सुप्रिया सिंह ने कार्यक्रम का संयोजन किया। समारोह के मुख्य अतिथि डीआरडीओ के अनुवाद विशेषज्ञ डॉ. रंजीत कुमार उपस्थित थे। कार्यक्रम में महाविद्यालय के हिंदी विभाग के डॉ आशीष, डॉ, अतुल पांडे और अन्य प्रोफेसर उपस्थित थे । इस हिंदी उत्सव केअवसर पर अनेक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डॉ . रंजीत कुमार ने अपने उदबोधन में कहा कि हिंदी अपनी भाषिक क्षमता और वैज्ञानिकता के कारण सम्पूर्ण विश्व की लोकप्रिय भाषा बन गई है । वाणिज्य-व्यापार-विज्ञापन और जनसंचार की भाषा बनकर सम्पूर्ण विश्व में गौरव और गरिमा का परचम लहरा रही है। फलत: विश्व भर में सर्वाधिक रोजगार और व्यवसाय का अवसर हिंदी के क्षेत्र में है। हिंदी के क्षेत्र में बेहतरीन रोजगार पाने के लिए छात्रों में हिंदी ई -टूल्स, सॉफ्टवेयर और हिंदी कौशल सीखने का असीम निष्ठा जुनून और जज्बा होना जरूरी है। छात्रों को हिंदी भाषा को अभिरुचि, अध्ययन, अभ्यास, अभिव्यक्ति और अनुपालन से सीखने का मंत्र भी दिये। हिंदी राष्ट्रीय एकता एवं प्रगति की संवाहिका है। हिंदी प्रेम-भाईचारा एवं संवाद की मधुर भाषा है और भारतीय संस्कृति की परिभाषा है। हिंदी मधुर सरल सहज-वैज्ञानिक भाषा है। भारतीय ज्ञान विज्ञान, सभ्यता, संस्कृति और संस्कार के प्रचार-प्रसार में हिंदी साहित्य का उल्लेखनीय योगदान रहा है। भाषा विभागाध्यक्ष डॉ एन मादेश और डॉ सुप्रिया ने अतिथि का सम्मान किया। हिंदी विभागध्यक्ष प्रो सुप्रिया सिंह ने सभी को धन्यवाद दिया।

# स्वच्छता अभियान में सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने लिया भाग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने मरीना बीच पर व्यापक सफाई अभियान आयोजित किया। इसमें आंचलिक कार्यालय के समर्पित कर्मचारियों ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया।

अंचल प्रमुख श्री अरविन्द कुमार एवं क्षेत्रीय प्रमुख संतोष श्रीवास्तव के नेतृत्व में यह अभियान अत्यन्त उत्साह से शुरु हुआ। सभी ने मिलकर मरीना बीच पर सफाई अभियान में भाग लिया।

# सिवांची ओसवाल जैन संघ मदुरै के नई कार्य कारीणी के चुनाव सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। रविवार को यहां आराधना भवन में सिंवाची ओसवाल जैन संघ की नई कार्यकरिणी का गठन किया या। इसमें सर्वसम्मित से संघ संरक्षक पद पर सुमेरमल गोलेछा एवं उम्मेदमल गोलेछा का प्रतिष्ठित किया गया। अध्यक्ष पद पर मूलचन्द श्रीश्रीमाल, उपाध्यक्ष मोहनलाल गोलेछा, सचिव कान्तिलाल बालड, सह सचिव राजेन्द्र चोपड़ा, कोषाध्यक्ष किशोर गोलेछा को बनाया गया।

कार्यकारिणी समिति में रतनचंद लोढ़ा, बगदराज बागरेचा, कांतिलाल जिरावला, पारसमल चोपड़ा, ललित देवड़ा धोका, रमेश छाजेड, विरचंद नाहटा, राणमल श्रीमाल का सर्व सहमति से चयन किया गया।

# वचनबद्ध, बेमिशाल, सत्यनिष्ठ, अहिंसा के देवता थे वीर तेजाजी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। हिंसा के मार्ग से विश्व में शांति की स्थापना नहीं हो सकती है। रविवार साहूकार पेट जैन भवन में महासती धर्मप्रभा ने विश्व अहिंसा दिवस पर सत्यनिष्ठ अहिंसा के पुजारी वीर तेजाजी की गौरव गाथा का वर्णन करते हुए कहा कि वीर तेजाजी वचनबद्ध अहिंसा के पूजारी गायों के संरक्षक शूरवीर साहसी महापुरुष थे। उन्होंने धर्म की रक्षा और गायों की सुरक्षा के लिए अपने प्राणों का हंसते - हंसते बलिदान दे दिया था। वीर तेजाजी का का जन्म राजस्थान मे नागौर जिले के खरनोल गांव के जाट परिवार में हुआ। बचपन से ही उनके साहसिक कारनामों से लोग आश्चर्यचकित एवं दंग रह जाते थे। लाछा गुजरी की गायों को डाकुओं से छुड़ाने के लिए वीर तेजा जब जंगल के रास्ते में गुजर रह थे, तब आग में जलते हुए काले नाग को भाले द्वारा अग्नि से बाहर निकाल फेंकते हैं। लेकिन सर्प को बच जाने का पश्चाताप होता है। और नाग राज कहता है मुझे आग मे जलने से क्यों बचाया? मैं तुझे डसूंगा। फिर तेजा नागराज को वचन देता है कि में गायों को छुड़ाकर वापिस तेरी बम्बी पर लौटकर आऊंगा। नागराज दिये गये वचनबद्धता निभाते हुए, युद्ध में अत्यधिक घायल हो जाने के बावजूद तेजा लहूलुहान अवस्था मे सांप की बम्बी पर पहुंचकर नागराज को कहां जहां चाहे तुम मुझे डंक मार लो ओर अपना धर्म पूरा करलो। सांप तेजाजी की बातों से प्रभावित होकर डंसने से मना करता फिर तेजा ने कहा कि मुझे वचन हार कर मना मत कर और मैरी जीभ पर डंस ले। 'वरना मेरा वचन टुट जाएगा फिर सर्पराज ने वीर तेजा की वचनबद्ध को निभाते हुए जीह्वा पर डंसा। गायों की रक्षार्थ अपने प्राणों का बलिदान देने वाले सत्यवादी अहिंसा के देवता का वीर तेजाजी जन्मोत्सव सम्पूर्ण प्रदेश ओर देश में अहिंसा दिवस के रूप में सभी धर्मो के लोग मनाते है। तेजाजी के द्वारा बताये अहिंसा के मार्ग सभी चलगे तो देश में शांति और रामराज्य की स्थापना हो जाएगी।

# मानव के दुख का कारण भौतिक साधन नहीं, बल्कि स्वभाव है : साध्वी भव्यगुणाश्री

बेंगलूरु। शहर के सिमंधरस्वामी राजेंद्रसूरी ट्रस्ट मामुलपेट के तत्वावधान में आयोजित चातुर्मास में गुरु राजेन्द्र भवन किलारी रोड में विराजित साध्वी भव्यगुणाश्रीजी ने कहा कि भगवान ने इस सृष्टि का निर्माण किया और मनुष्य को सब कुछ दिया है, लेकिन वह उसका उपयोग सही ढंग से नहीं कर पाता है। यही कारण है कि वह जीवन भर दुखी रहता है। उसके दुख की वजह भौतिक साधनों की कमी नहीं है, बल्कि स्वभाव है। दुख का एक और कारण मनुष्य का पूर्व जन्म के बारे में सोचना है। मनुष्य अपने दुखों को पिछले जन्म का दोष देता है। लेकिन ऐसा नहीं है, मनुष्य का स्वभाव सत्संग सुनने से सुधर सकता है। मनुष्य सत्संग सिर्फ सुने ही नहीं, बल्कि उसका महत्व समझे। साध्वी शीतलगुणा श्री ने कहा कि जिनवाणी को भावपूर्वक सुनने से इसका सकारात्मक असर होता है।

# पीरश्री शांतिनाथजी की पुण्यतिथि पर भजन संध्या में झूमे भक्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहां श्री नाथजी भक्त मंडल के तत्वावधान में 30 सितम्बर को देर रात को कोयंबटूर के श्री रामदेव मंदिर में एक शाम पीर श्री शांतिनाथ जी के नाम 11वीं पुण्यतिथि के अवसर पर भजन संध्या का आयोजन किया गया। भजन गायकश्री शांतिनाथ गोस्वामी एवं पार्टी (चेन्नई) ने श्री शांतिनाथ जी मंदिर रत्ने धाम...अमलिडो/ सिरे मंदिर हद सोवनो...भजनों को प्रस्तुति दी गई। वक्ताओं ने श्री शांतिनाथजी की जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया, गौ रक्षा व धर्म रक्षा के लिए एकजुट होने का आह्वान किया। देर रात तक भजनों की सरिता में भक्तों ने गोते लगाए। स्थानीय भजन गायक कमलेश भाई माली ने भी अपने मुखारविन्द से भजनों की प्रस्तुति दी। श्री नाथ जी भक्त मंडल और आयोजन कर्ताओं ने पीर श्री शांतिनाथ जी महाराज की तस्वीर के आगे दीप प्रज्वलित और आरती कर भजन संध्या की शुरुआत की।

आयोजन में मौजूद लाख सिंह राठौड़, डालू सिंह राजपुरोहित, रणजीत सिंह राठौड़, मोहनसिंह राजपुरोहित, पदम सिंह भायल, दशरथ सिंह देवड़ा, रणजीत सिंह देवड़ा, उतमसिंह दहिया, नाथूसिंह राठौड़, धुकसिंह राठौड़, शैतानसिंह चौहान, रत्नसिंह चौहान, रतनसिंह, शंकरसिंह देता, राजूसिंह राजपुरोहित, किशोर सिंह, सुरेश राजपुरोहित, महेंद्र सिंह राजपुरोहित, कानसिंह राठौड़, मंछीलाल घांची, हेमाराम प्रजापत, जगदीश कुमार, वंछीलाल माली, सुरेश कुम्हार, हड़मताराम माली, खेताराम प्रजापत, रूपाराम चौधरी, वजाराम देवासी, छोगाराम देवासी, टिकमाराम देवासी, टिकमाराम चौधरी आदि भक्त मौजूद थे।

# एफसीआई चेन्नई ने स्वच्छता ही सेवा स्वच्छता अभियान का आयोजन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। एक तारीख एक घंटा एक साथ के हिस्से के रूप में भारतीय खाद्य निगम जोनल कार्यालय (दक्षिण) में मरीना बीच में बड़े पैमाने पर सफाई अभियान चलाया गया। इसमें निगम परिवार के सदस्यों के साथ 120 से अधिक स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया और इसे एक भव्य सफल स्वच्छता अभियान बनाया। यह अभियान प्रेसीडेंसी कॉलेज से मरीना प्रोमेनेड तक एक छोटी रैली के साथ शुरू हुआ और उसके बाद समुद्र तट क्षेत्र की सफाई की गई। प्रेसीडेंसी कॉलेज और न्यू कॉलेज के एनएसएस स्वयंसेवक भी इस अभियान में शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान स्वयंसेवकों ने स्वच्छता शपथ भी ली।

## सुन्दरकाण्ड पाठ — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तिरुपुर। यहां मां दुर्गा भक्त मंडल द्वारा 1 अक्टूबर को श्री सांई रॉटो प्रिंट में सुन्दरकांड का पाठ का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित हुए। सभी ने मिलकर संगीत के साथ सुन्दरकांड का पाठ किया। मंडल के अध्यक्ष अशोक शर्मा और उपाध्यक्ष राजकुमार शर्मा सहित बड़ी संख्या में मंडल परिवार के सदस्य उपस्थित थे।

## स्वच्छांजलि

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर रविवार को हुब्बल्ली धारवाड़ महानगर निगम के वार्ड क्रमांक 44 अरिहंता नगर बारंगा के लोगों ने स्वच्छांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया तथा क्षेत्र में झाड़ू लगाकर सफाई अभियान चलाया। इस मौके पर वार्ड सदस्या उमा मुकुंद, समजासेवी विनोदकुमार पटवा,राकेश मेहता, सिद्धार्थ सुराणा, अरिहंत सुराणा, गजानन निरंजन, मनोज मांडोत, हितेश खोना, रोहन गोमेज़, भरत भंडारी, अमृत पी, जय धूमावत आदि शामिल हुए व सफाई की।

# आम चुनाव में तमिलनाडु, पुडुचेरी की सभी 40 सीटें जीतने का लक्ष्य : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और द्रमुक अध्यक्ष एम.के. स्टालिन ने रविवार को पार्टी कार्यकर्ताओं से 2024 के लोकसभा चुनाव में सभी 40 सीटों, जिसमें तमिलनाडु की 39 सीट और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी की एक सीट शामिल है, पर जीत के लिए काम करने का आह्वान किया। द्रमुक के जिला सचिवों, मंत्रियों और बूथ एजेंटों को विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यह बहुत महत्वपूर्ण है कि लोकसभा चुनाव में द्रमुक के नेतृत्व वाला मोर्चा तमिलनाडु और पुडुचेरी में सभी सीटों पर जीत प्राप्त करे।

स्टालिन ने कहा कि विपक्ष के नेतृत्व वाला इंडिया गठबंधन, जिसमें विभिन्न राज्यों के सत्तारूढ़ दल और मजबूत क्षेत्रीय दल शामिल हैं, भाजपा को फिर से सत्ता में आने से रोकने के लिए बनाया गया है और यह महत्वपूर्ण है कि इंडिया ब्लॉक अखिल भारतीय स्तर पर आगामी लोकसभा चुनाव जीते। उन्होंने कहा कि भाजपा केंद्र में सरकार नहीं बनाएगी। चूंकि व्यापक रूप से इस बात की चर्चा है कि चुनाव के बाद अगली सरकार इंडिया ब्लॉक की होगी और इससे हमारी जिम्मेदारी, कर्तव्य और प्रतिबद्धता और ज्यादा बढ़ गई है।

उन्होंने कहा कि द्रमुक ने छह महीने पहले बूथ समितियों का गठन करके अगामी लोकसभा चुनाव की तैयारी का काम शुरू कर दिया है जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि हम चुनाव में सभी 40 सीटें प्राप्त करें।

मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने कहा कि 2019 के लोकसभा चुनाव में हमने 40 में से 39 सीटें जीती थीं, लेकिन इस बार हमें सभी 40 सीटें जीतनी हैं और इंडिया ब्लॉक को पूरे देश में जीतना चाहिए जैसे उसने तमिलनाडु में जीत प्राप्त की थी। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से चुनाव में जीत प्राप्त करने के लिए कठोर मेहनत करने की अपील की।

# पलानीस्वामी ने कावेरी मुद्दे को लेकर द्रमुक पर साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ कषगम (अन्नाद्रमुक) के प्रमुख ई के पलानीस्वामी ने रविवार को कावेरी नदी जल विवाद को लेकर तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) पर निशाना साधा और सवाल किया कि क्या मुख्यमंत्री एम के स्टालिन को इस मामले को लेकर राज्य के लोगों की चिंता है। राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता पलानीस्वामी ने आरोप लगाया कि द्रमुक कर्नाटक में कांग्रेस सरकार का समर्थन कर रही है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उसके परिवार के सदस्यों द्वारा वहां संचालित व्यवसाय प्रभावित न हों।

अन्नाद्रमुक महासचिव ने मुख्यमंत्री स्टालिन को कठपुतली बताते हुए उन पर दूरदर्शिता की कमी का आरोप लगाया और कहा कि उन्होंने 12 जून को सलेम में मेट्टूर बांध से पानी छोड़ा था। पलानीस्वामी ने यहां एक बयान में कहा कि सरकार के आश्वासन पर विश्वास करते हुए कावेरी डेल्टा क्षेत्र के लगभग 1.50 लाख किसानों ने पांच लाख एकड़ भूमि पर अल्पकालिक 'कुरुवई' की खेती की।

बयान के अनुसार, उन्होंने कहा कि हालांकि अब, 3.50 लाख एकड़ में खड़ी फसल मुरझा गई है और बाकी की सिंचाई कुएं के पानी से की जा रही है। उन्होंने कहा, द्रमुक सरकार, जिसके पास कुशल प्रशासन का अभाव है, को क्या करना चाहिए था। उसे मेट्टूर बांध से छोड़े जाने वाले पानी की मात्रा कम करनी चाहिए थी और कानून के अनुसार और राजनीतिक दबाव के माध्यम से जून, जुलाई व अगस्त के महीनों के लिए कर्नाटक से कावेरी जल में से तमिलनाडु का हिस्सा सुनिश्चित करना चाहिए था। पलानीस्वामी ने कहा कि द्रमुक सरकार पूरी तरह से गहरी नींद में थी, उसने मेट्टूर बांध में पानी का इस्तेमाल किया, ऐसा करने के लिए केंद्र पर उंगली उठाई, लेकिन इस मामले पर कुछ भी रचनात्मक नहीं किया।

तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री पलानीस्वामी ने कहा कि यदि स्टालिन कावेरी डेल्टा क्षेत्रों सहित राज्य के लोगों के बारे में वास्तव में चिंतित होते, तो वह इस मामले को पड़ोसी राज्य के साथ उठा सकते थे, जब वह जून में सिद्दरामैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए बेंगलूरु गए थे। पलानीस्वामी ने कहा कि वह तब मैत्रीपूर्ण बातचीत कर सकते थे और पानी छोड़ना सुनिश्चित कर सकते थे, जब कर्नाटक के जलाशयों में पानी का पर्याप्त भंडार था।

उन्होंने यह भी कहा कि स्टालिन अपनी पार्टी को विपक्षी गठबंधन इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस) में बनाए रखने के लिए कावेरी से पानी छोड़ने को एक पूर्व शर्त बना सकते थे। इस गठबंधन में अन्य दलों के अलावा कांग्रेस भी शामिल है। पलानीस्वामी ने कहा कि वह कम से कम इंडिया' के बेंगलूरु सम्मेलन से पहले इसे एक मुद्दा बना सकते थे और बैठक से दूर रह सकते थे। उन्होंने मांग की, मैं इस सरकार से आग्रह करता हूं कि वह अब कम से कम किसानों के लिए चिंता दिखाए, एक सर्वदलीय बैठक बुलाए और कावेरी मुद्दे पर तमिलनाडु के अधिकारों को बनाए रखने और राज्य को पानी सुनिश्चित करने के लिए कड़ा कदम उठाए।

# तमिलनाडु बस दुर्घटना में लोगों की मौत बेहद दुखद है : राष्ट्रपति मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई/नई दिल्ली।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को कहा कि तमिलनाडु के नीलगिरि जिले में बस दुर्घटना में लोगों की मौत बेहद दुखद है और उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदनाएं जताईं। राष्ट्रपति ने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की।

तमिलनाडु के नीलगिरि में शनिवार को तेनकासी जाने वाली एक पर्यटक बस खाई में गिर गई थी, जिससे उसमें सवार आठ यात्रियों की की मौत हो गई थी। बस के चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया था, जिसके बाद बस खाई में जा गिरी थी। रविवार को एक और महिला की मौत होने से हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर नौ हो गई। मुर्मू ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, तमिलनाडु के नीलगिरि जिले में बस हादसे में लोगों की मौत बेहद दुखद है। मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त करती हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करती हूं।

## प्रधानमंत्री ने जताया दुख

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तमिलनाडु के नीलगिरि में बस दुर्घटना में लोगों की मौत पर रविवार को दुख जताया और मृतकों के परिजन को दो-दो लाख रुपये का मुआवजा देने की घोषणा की।

तमिलनाडु के पहाड़ी जिले नीलगिरि में शनिवार को एक पर्यटक बस के खाई में गिरने से नौ लोगों की मौत हो गई।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, तमिलनाडु के नीलगिरि जिले के कुन्नूर के पास बस दुर्घटना में लोगों की मौत से दुखी हूं। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवार के साथ हैं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय आपदा कोष से प्रत्येक मृतक के परिवार को दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50-50 हजार रुपये दिए जाएंगे।'

# 2024 के लोकसभा चुनाव को लेकर बेहद आश्वस्त हूं : के. अन्नामलाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**कोयंबटूर।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के प्रमुख के.अन्नामलाई ने रविवार को कहा कि अन्नाद्रमुक का राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) से बाहर होना अगले वर्ष होने वाले लोकसभा चुनाव के मद्देनजर भाजपा के लिए कोई धक्के जैसा नहीं है और वे 2024 को लेकर बेहद आश्वस्त हैं। अन्नामलाई ने दिल्ली की यात्रा से पहले संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि वह जनता की नब्ज पहचानते हैं और यह उनकी पदयात्रा 'एन मन, एन मक्कल' के कारण संभव हो सकी।

उन्होंने कहा, 'मैं जमीनी स्तर पर हूं। मैं 2024 को लेकर बेहद आश्वस्त हूं। मैं प्रतिदिन तेज धूप और धूल में नौ घंटे चला हूं। मैं जनता की नब्ज जानता हूं....उनके साथ 60दिन तक रहा हूं। मैं मिजाज समझता हूं।' उन्होंने अन्नाद्रमुक के पार्टी से कुछ दिन पूर्व अलग होने का प्रत्यक्ष तौर पर जिक्र करते हुए कहा कि राजनीति में कई घटनाक्रम 'वरदान' की तरह होते हैं। अन्नामलाई ने कहा कि चुनाव में अभी सात-आठ माह हैं और भाजपा की मंशा पार्टी को मजबूत करने की है।

अपनी दिल्ली यात्रा के संबंध में उन्होंने कहा कि यह 'नियमित' प्रक्रिया है और इसकी योजना पहले ही बन गई थी। अन्नामलाई ने कहा कि वह अपनी यात्रा के दूसरे चरण के संबंध में राष्ट्रीय नेतृत्व को जानकरी देंगे। बहुत से वरिष्ठ नेताओं के इस अभियान में शामिल होने की उम्मीद है।

# तमिलनाडु में बस दुर्घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर नौ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** तमिलनाडु के पहाड़ी नीलगिरी जिले में कुन्नूर के समीप मारापल्लम में शनिवार हुई एक बस दुर्घटना में घटनास्थल से एक महिला का शव बरामद होने के साथ ही रविवार को मरने वालों की संख्या नौ हो गई। पुलिस सूत्रों ने कहा कि बस में यात्रा कर रहे पर्यटकों का सामान बरामद कर रहे बचाव दल को रविवार सुबह एक महिला का शव मिला। उसकी पहचान पद्मरानी (58) के रूप में हुई। इसके साथ ही इस हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर नौ हो गई। गौरतलब है कि नीलगिरी जिले के विभिन्न पर्यटन स्थलों का दौरा करने के बाद तेनकाशी लौट रही एक पर्यटक बस के 50 फीट गहरी खाई में गिर जाने से उसमें सवार आठ लोगों की मौत हो गई थी। दुर्घटना के समय बस में कुल 57 पर्यटक और दो चालक सवार थे।

इस बीच, स्वास्थ्य मंत्री मा. सुब्रमण्यम और पर्यटन मंत्री के. रामचंद्रन ने मुख्यमंत्री एम.के.स्टालिन की घोषणा के अनुसार दुर्घटना में मामूली रूप से घायल हुए 32 लोगों को 50-50 हजार रुपये और गंभीर रूप से घायल दो लोगों को एक-एक लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान की। सुब्रमण्यन ने कहा कि नौ मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि मामूली रूप से घायल हुए 15 लोगों का इलाज चल रहा है। उन्हें मनोवैज्ञानिक परामर्श भी दिया जा रहा है और उपचार के बाद उन्हें उनके घर भेज दिया जाएगा। मंत्रियों ने गंभीर रूप से घायल दो यात्रियों से भी मुलाकात की और डॉक्टरों से उनके इलाज के बारे में जानकारी ली। उन्होंने उन लोगों से भी मुलाकात की जो बहुत कम घायल हुए या सुरक्षित बच गए और उन्हें अस्थायी राहत शिविरों में रखा गया है। सभी पर्यटक तेनकासी जिले के कदयम गांव के मूल निवासी थे और वे सप्ताहांत मनाने के लिए गुरुवार को उधगमंडलम आए थे जब वापस लौटते समय यह दुखद हादसा हुआ।

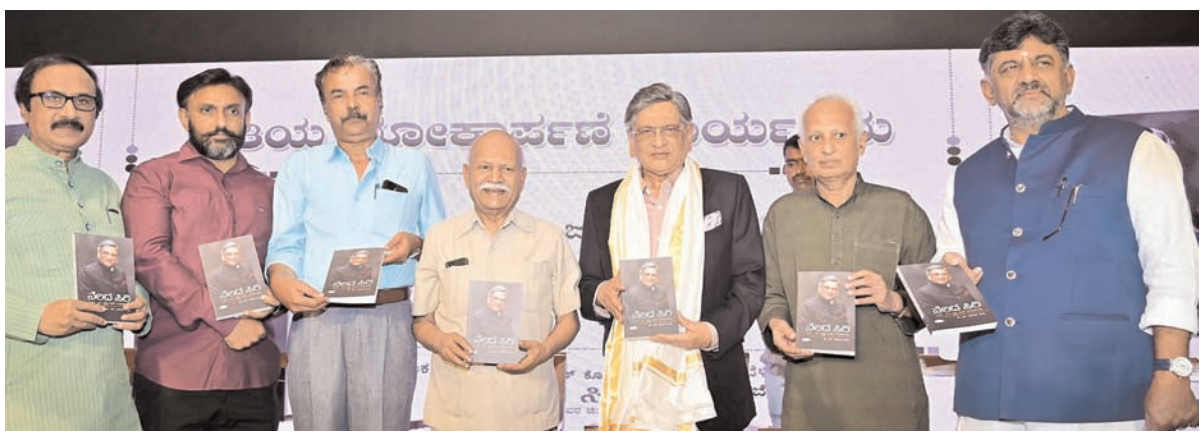

# एस एम कृष्णा ने चार तटवर्ती राज्यों को कावेरी मुद्दे को निपटाने के लिए आपदा फॉर्मूला' तैयार करने की सलाह दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**बेंगलूरु।** कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एस. एम. कृष्णा ने रविवार को कहा कि सभी चार तटवर्ती राज्यों को कावेरी नदी जल बंटवारा विवाद को समाप्त करने के उद्देश्य से एक 'आपदा फॉर्मूला' पर चर्चा करनी चाहिए और इसे तैयार करना चाहिए। पूर्व विदेश मंत्री ने इस मुद्दे पर राज्य सरकार के रुख की भी सराहना की।

कृष्णा ने कहा, 'अगर हमें इस विवाद को खत्म करना है, तो सभी चार राज्यों (तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक और पुडुचेरी) के लिए आपदा फॉर्मूला' पर चर्चा करना और तैयार करना उचित होगा तथा नदी के पानी के प्रबंधन को लेकर इसके ढांचे के भीतर उचित निर्णय लेने होंगे।'

कृष्णा ने यहां पत्रकारों से कहा कि जब कम वर्षा होती है, तो कावेरी मुद्दे को लेकर शोर मचता है, क्योंकि पानी की मांग होती है, और इस संबंध में तमिलनाडु के बयान ज्यादातर तथ्यों को 'मरोड़ते' प्रतीत होते हैं। कावेरी मुद्दे पर कर्नाटक सरकार द्वारा अपनाये गये रुख के प्रति अपना समर्थन व्यक्त करते हुए, कृष्णा ने याद दिलाया कि मुख्यमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान भी ऐसी ही तनावपूर्ण स्थिति उभरी थी और तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कर्नाटक और तमिलनाडु दोनों के मुख्यमंत्रियों के साथ कई बैठकें करके बातचीत की कोशिश की थी, लेकिन वे सफल नहीं हुए थे और अंततः मामला उच्चतम न्यायालय तक पहुंच गया था।

उन्होंने अगले कदम को लेकर भारत के पूर्व प्रधान न्यायाधीश एम. एन. वेंकटचलैया और अन्य वरिष्ठ न्यायाधीशों की सलाह लेने के लिए राज्य सरकार की सराहना की और कहा, मैं उन्हें (राज्य सरकार को) इसी तरह जारी रखने की सलाह देता हूं। कृष्णा पहले कांग्रेस में थे, लेकिन बाद में भाजपा में शामिल हो गये थे। उन्होंने जनवरी में सक्रिय राजनीति से संन्यास की घोषणा की थी। कृष्णा ने भारतीय जनता पार्टी-जनता दल (एस) गठबंधन के संदर्भ में पूछे गये एक सवाल पर कहा, मैं राजनीति में नहीं हूं, इसलिए इस मुद्दे पर मेरा रुख अप्रासंगिक है।

# कर्नाटक सरकार ने कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण से उसके आदेश की समीक्षा करने का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**बेंगलूरु।** कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने रविवार को कहा कि राज्य ने कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्ल्यूएमए) के समक्ष एक याचिका दायर कर पड़ोसी तमिलनाडु के लिए नदी का पानी छोड़ने के उसके आदेश की समीक्षा की मांग की है।

सीडब्ल्यूएमए ने शुक्रवार को कर्नाटक को निर्देश दिया था कि वह 15 अक्टूबर तक तमिलनाडु के लिए प्रतिदिन 3,000 क्यूसेक जल छोड़े, हालांकि कर्नाटक ने कहा था कि उसके पास पर्याप्त पानी नहीं है। राज्य के जल संसाधन मंत्री शिवकुमार ने हालांकि कहा कि कावेरी बेसिन के जलाशयों में जल प्रवाह बढ़कर 15,000 क्यूसेक तक पहुंचना राहत का संकेत है।

शिवकुमार ने कहा, शनिवार दोपहर को ही हमने एमएन वेंकटचलैया (भारत के पूर्व प्रधान न्यायाधीश) समेत वरिष्ठ पूर्व न्यायाधीशों के सुझावों के बाद समीक्षा की मांग करते हुए प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्ल्यूएमए) के समक्ष एक याचिका दायर की। उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा, इस बीच, मुझे आज सुबह एक रिपोर्ट मिली है – मैं दिन में दो से तीन बार जांच कर रहा हूं – आज प्रवाह 15,000 क्यूसेक है। यह अभी के लिए अच्छी खबर है।

उन्होंने कहा कि किसानों और (कावेरी बेसिन) क्षेत्र के लोगों को बारिश के लिए भगवान से प्रार्थना करनी चाहिए। शिवकुमार ने कहा, अगर ऐसे ही जल प्रवाह बढ़ता रहा तो ज्यादा परेशानी नहीं होगी। हमने राज्य के किसानों की फसलों के लिए पानी छोड़ दिया है।

# इलेक्ट्रिक कार में लगी आग, बाल-बाल बचे दो लोग

**बेंगलूरु।** बेंगलूरु में बीच सड़क पर एक इलेक्ट्रिक कार में अचानक आग लग गई। इस घटना में यात्रा कर रहे दो लोग बाल-बाल बचे। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। आग लगने से इलेक्ट्रिक वाहनों के मालिकों की चिंता बढ़ गई है। यह घटना शनिवार को डालमिया सर्कल के जेपी नगर पुलिस स्टेशन की सीमा में हुई। पुलिस ने कहा कि दो दोस्त कार में यात्रा कर रहे थे और अचानक वाहन में तकनीकी खराबी आने लगी और धुआं निकलने लगा। देखते ही देखते इलेक्ट्रिक कार में आग लग गई। कार के अंदर मौजूद दोनों दोस्त सही समय पर बाहर कूद गए। कुछ ही देर में वाहन जलकर खाक हो गया। पुलिस ने बताया कि कार में कीमती सामान था और वह भी इस घटना में जलकर खाक हो गया। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

# जद(एस) नेता कुमारस्वामी 'हताश' हैं क्योंकि उनका मोहभंग हो गया है : सिद्दरामैया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**बेंगलूरु।** कर्नाटक की मौजूदा कांग्रेस सरकार के गिरने की भविष्यवाणी करने वाले जनता दल(सेक्युलर) के नेता एच डी कुमारस्वामी पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने रविवार को उन्हें 'हताश' करार दिया। उन्होंने कहा कि कुमारस्वामी एक बार फिर मुख्यमंत्री बनने के भ्रम में थे, लेकिन अब उनका 'मोहभंग' हो गया है, इसलिए ऐसे बयान दे रहे हैं। सिद्दरामैया ने कहा कि 2023 के विधानसभा चुनावों के बाद कुमारस्वामी अपनी पार्टी के समर्थन से गठबंधन सरकार के सत्ता में आने की उम्मीद कर रहे थे।

सिद्दरामैया ने एक सवाल के जवाब में कहा, 'कुमारस्वामी हताश हैं, क्योंकि उन्हें यह भ्रम था कि गठबंधन सरकार (2023 विधानसभा चुनाव के बाद) सत्ता में आएगी और वह मुख्यमंत्री बनेंगे, लेकिन अब उनका मोहभंग हो गया है।' यहां पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा, इसलिए वह (कुमारस्वामी) हताश हो गए हैं और इस तरह के बयान दे रहे हैं। उन्हें इसी भ्रम में रहने दीजिए।'

हाल में, 'कुमारस्वामी ने एक समाचार चैनल से कहा था कि कर्नाटक में कांग्रेस सरकार लंबे समय तक नहीं टिकेगी और उसका भी वही हश्र होगा-जैसे उनके नेतृत्व वाली गठबंधन (कांग्रेस-जद(एस)) सरकार 14 महीने में (जुलाई 2019 में) गिरा दी गई थी।' जद(एस) नेता ने पहले भी सिद्दरामैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के टिकने बारे में संदेह जताया था और इसके शीघ्र गिरने का अनुमान जताया था। यह पूछे जाने पर कि क्या वह प्रदेश जद(एस) अध्यक्ष सी एम इब्राहिम का कांग्रेस में वापस आने का स्वागत करेंगे, सिद्दरामैया ने कोई सीधा जवाब न देते हुए कहा, इब्राहिम से ही इस बारे में पूछिए। इब्राहिम ने भाजपा के साथ जद(एस) के गठबंधन पर अपना असंतोष व्यक्त करते हुए कहा है कि उनसे सलाह नहीं ली गई और वह आने वाले दिनों में अपने भविष्य के कदम पर फैसला करेंगे। पूर्व केंद्रीय मंत्री इब्राहिम पिछले साल कांग्रेस और विधान पार्षद पद छोड़ने के बाद जद(एस) में शामिल हुए थे।


## सवारी डिब्बा कारखाना, चेन्नै - 600 038

आज़ादी का अमृत महोत्सव

**निविदा सूचना नहीं. 2023476211219**

भारत के राष्टपति की ओर से उप मुख्य मैकेनिकल इंजीनियर/प्लांट, इंटीग्रल कोच फैक्ट्री, चेन्नई-38 प्रतिष्ठित ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित करता है:

| | |
|---|---|
| काम का नाम | बल्लीउ के लिए व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध (सीएएमसी) लेजर कटिंग और वेल्डिंग मशीन, इनव नंबर 19513 को तीन साल की अवधि के लिए शॉप-19/ एलएचबी डिवीजन में उपलब्ध कराता है। |
| निविदा मूल्य | 6,30,80,186/- रुपये (छह करोड़ तीस लाख अस्सी हजार एक सौ छियासी रुपये ही) |
| निविदा दस्तावेज की लागत | रु. 10,000/- (केवल दस हजार रुपये) (गैर-वापसी योग्य) |
| अर्नेस्ट मनी डिपॉजिट (ईएमडी) | 4,65,400/- रुपये (चार लाख पैंसठ हजार चार सौ रुपये ही) |
| निविदा आमंत्रित करने वाला प्राधिकरण | उप मुख्य मैकेनिकल इंजीनियर/प्लांट, शैल डिवीजन, इंटीग्रल कोच फैक्ट्री, चेन्नई-600038 |
| पूरा होने की अवधि | तीन वर्ष |
| ई-टेंडर जमा करने की अंतिम तिथि और समय | 25.10.2023 से 15.00 घंटे तक |

प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए वेबसाइट: **www.ireps.gov.in** निविदाकर्ताओं को यह भी सलाह दी जाती है कि वे जारी किए गए किसी भी संशोधन/ शुद्धिपत्र के लिए वेबसाइट की नियमित रुप से निगरानी करें। यदि निविदा प्राप्त होने और खोलने की तारीख को बाद की तारीख में अवकाश घोषित किया जाता है तो यह अगले पूर्ण कार्य दिवस पर किया जाएगा। **नोट**:- 1. निविदाकर्ता को ध्यान देना चाहिए कि अर्नेस्ट मनी के खिलाफ कोई स्थायी अर्नेस्ट मनी स्वीकार नहीं की जाएगी। 2. अर्नेस्ट मनी और टेंडर दस्तावेज की लागत केवल नेट बैंकिंग या भुगतान गेटवे के माध्यम से प्रस्तुत की जानी चाहिए। 3. निविदाकर्ता को किए गए कार्य/पूर्णता प्रमाण पत्रों की प्रमाणित प्रतियां निविदा के साथ प्रस्तुत करनी होंगी ताकि उन्हें अपलोड करके पात्रता स्थापित की जा सके।

**उप मुख्य मैकेनिकल इंजीनियर/प्लांट/आईसीएफ**

G20
वसुधैव कुटुम्बकम्
एक धरती • एक परिवार • एक भविष्य

राजस्थान में पेट्रोल पंप संचालकों की हड़ताल

# दिनभर परेशान होते रहे लोग, आज से अनिश्चितकालीन हड़ताल का ऐलान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**जयपुर/एजेन्सी।** राजस्थान के पेट्रोल पंप संचालक सोमवार को फिर से हड़ताल पर चले गए हैं। राजस्थान पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन ने 5 सूत्रीय मांगों को लेकर 1 अक्टूबर को सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक पेट्रोल पंप बंद रखने की घोषणा की थी। वहीं एसोसिएशन ने राज्य सरकार पर वादा खिलाफी का आरोप लगाते हुए 2 अक्टूबर से पूरे राजस्थान में पेट्रोल पंपों पर अनिश्चितकालीन हड़ताल का ऐलान किया है।

डीलर्स एसोसिएशन की प्रमुख मांग है कि राजस्थान में डीजल-पेट्रोल पर वैट की दरों को कम करके हरियाणा और पंजाब के समानांतर किया जाए। राज्य सरकार द्वारा वैट की दरों में कमी करने के लिए हाई पावर कमेटी का गठन किया गया था। कमेटी में राज्य सरकार के 3 अधिकारी, डीलर्स एसोसिएशन के 2 पदाधिकारी और तेल कंपनियों के 3 अधिकारी शामिल किए गए थे। लेकिन आज तक हाई पावर कमेटी ना तो कोई बैठक आयोजित की गई और ना ही वैट की दरों को कम करने के संबंध में कोई निर्णय लिया गया है।

राजस्थान पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह भाटी ने कहा कि कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में डीजल- पेट्रोल को जीएसटी में शामिल करने का वादा किया था। इसके साथ ही पेट्रोलियम पदार्थों पर वैट की जगह जीएसटी लगाने के लिए केन्द्र सरकार को अनुशंसा पत्र लिखने की मांग की है। इसके अलावा हनुमानगढ़ में पेपर डिपो के लिए राज्य सरकार से नि:शुल्क जमीन देने और डीलर कमीशन बढ़ाने की मांग भी उठाई जा रही है। वहीं आंध्र प्रदेश की तर्ज पर राजस्थान में भी 50000 से ज्यादा के डीजल- पेट्रोल पर ही ई- वे बिल रखने की मांग की गई है।

राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आएएस) की परीक्षा के चलते दौसा के पेट्रोल पंप संचालक हड़ताल में शामिल नहीं हुए हैं। दौसा में सोमवार को रोजाना की तरह लोगों को डीजल पेट्रोल मिल रहा था। वहीं श्रीगंगानगर और करौली में पेट्रोल पंप डीलर्स ने सोमवार सुबह 6 बजे से हड़ताल शुरू कर दी थी। इसके साथ ही वैट दरें घटाने की मांग को लेकर परिणाम नहीं निकलने पर 2 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने की चेतावनी दी है।

गौरतलब है कि देश का सबसे महंगा डीजल-पेट्रोल श्रीगंगानगर में ही मिलता है।

इस बार चुनाव में राजनीतिक पार्टियों को

# आपराधिक पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवारों के बारे में देना होगा स्पष्टीकरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**जयपुर/वार्ता।** राजस्थान में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर तैयारियां की जा रही और इस बार दिव्यांग एवं बुजुर्ग मतदाताओं को घर बैठे मतदान करने की सुविधा मिलेगी वहीं राजनीतिक पार्टियों को आपराधिक पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवारों के बारे में स्पष्टीकरण देना होगा कि क्या उन्हें दूसरा प्रत्याशी नहीं मिला।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने विधानसभा चुनाव की तैयारियां की की गई समीक्षा के बारे में रविवार को यहां प्रेस कॉन्फ्रेंस में जानकारी देते कहा कि राजस्थान की एक शांतिप्रिय राज्य के रूप में पहचान है और आयोग यहां आगामी विधानसभा चुनाव निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं प्रलोभनमुक्त कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में पहली बार वोट फॉर होम की सुविधा उपलब्ध कराई जायेगी और इसके तहत 80 साल से ऊपर के बुजुर्ग और 40 प्रतिशत से ज्यादा दिव्यांगता वाले मतदाताओं को घर बैठे ही यही सुविधा उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि जो मतदान केंद्र पर आकर वोट डालना चाहे और जो आराम से आ सके उनका स्वागत है। वहीं जो शतायु मतदाता हैं उसका मतदान केंद्र पर स्वागत किया जायेगा और आभार पत्र दिया जायेगा।

**■ 80 साल से ऊपर के बुजुर्ग और 40 प्रतिशत से ज्यादा दिव्यांगता वाले मतदाताओं को घर बैठे ही मतदान करने की सुविधा उपलब्ध होगी।**

उन्होंने बताया कि चुनाव अधिसूचना जारी होने के बाद पांच दिन में वोट फॉर होम की सुविधा पाने वाले मतदाताओं को फॉर्म 12डी भरना होगा। इसके बाद चुनाव आयोग उनके घर से ही वोट डालने की व्यवस्था करेगा। उन्होंने बताया कि विधानसभा चुनाव में गड़बड़ियों को रोकने के लिए कई मतदान केंद्रों से लाइव वेबकास्टिंग होगी। उन्होंने बताया कि 1600 बूथ ऐसे होंगे जिन्हें यूथ संभालेंगे। जिनमें महिलाएं होंगी।

कुमार ने बताया कि राजस्थान में 5.25 करोड़ मतदाता है। इनमें 2.73 करोड़ पुरुष, 2.51 करोड़ महिला मतदाता हैं। इनमें 604 ट्रांसजेंडर है जबकि 5.61 लाख दिव्यांग है। उन्होंने बताया कि इनमें 80 साल से अधिक आयु के 11.8 लाख, सौ साल से अधिक आयु के 18 हजार 462 मतदाता हैं। इस बार 18 से 19 आयु के 21.9 लाख मतदाता पहली बार वोट डालेंगे।

कुमार ने बताया कि कोई मतदाता यह जानना चाहता है कि किसी उम्मीदवार का क्रिमिनल बैकग्राउंड है या नहीं। इसके लिए 'नो योर कैंडिडेट' एप्लिकेशन है। इसमें कैंडिडेट का पूरा एफिडेविट अपलोड होगा। इसके साथ ही आपराधिक पृष्ठभूमि के प्रत्याशी दैनिक अखबारों में अपनी जानकारी देनी होगी वहीं राजनीतिक पार्टियों को बताना होगा कि उन्होंने आपराधिक पृष्ठभूमि के प्रत्याशी को टिकट क्यों दिया। क्या उस विधानसभा में उनके अलावा कोई प्रत्याशी नहीं था। इसके लिए उन्हें अखबार में स्पष्टीकरण देना होगा।

## सरिस्का अभयारण्य तीन महिनों के बाद पर्यटकों के लिए फिर से खुला

**अलवर/वार्ता।** राजस्थानर में अलवर जिले का सरिस्का अभयारण्य रविवार से तीन महीनों बाद पर्यटकों के लिए खुल गया। सरिस्का प्रशासन ने इस अवसर पर तिलक लगाकर पर्यटकों का स्वागत किया। पहले दिन ही पर्यटकों को टाइगर का दीदार हो गया जिसे देख पर्यटक रोमांचित हो गए। पर्यटकों ने टाइगर को अपने कैमरे में कैद किया। रविवार की छुट्टी होने के कारण बड़ी तादात में पर्यटक सरिस्का पहुंचे। सुबह की पारी में करीब 1500 पर्यटकों ने सफारी की। सफारी के दौरान पर्यटकों में आज काफी उत्साह देखा गया। इस दौरान सरिस्का भ्रमण करने आए सैलानियों को बाघ एसटी 21 उर्फ युवराज की जोरदार साइटिंग हुई जिसे देखकर सभी पर्यटक कुछ नजर आए। सरिस्का प्रशासन का मानना है कि अबकी बार सरिस्का में काफी संख्या में पर्यटकों के पहुंचने की उम्मीद है। सरिस्का में फिलहाल अब 32 बाघ बाघिन और तीन भालू भी मौजूद हैं।

# एम्बुलेंस में ड्रग्स की तस्करी, 5 करोड़ का मादक पदार्थ बरामद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**प्रतापगढ़/एजेन्सी।** राजस्थान में ड्रग्स तस्कर पुलिस को गुमराह करने के लिए तस्करी के नए-नए तरीके ईजाद कर रहे हैं। ऐसा ही एक मामला मध्य प्रदेश राज्य की सीमा से सटे प्रदेश के आदिवासी बाहुल्य प्रतापगढ़ जिले में सामने आया है। यहां पुलिस ने एक निजी एम्बुलेंस में ड्रग्स की तस्करी करते तस्कर को पकड़ा है. पुलिस ने एम्बुलेंस चालक से 60 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एमडीएमए बरामद किया है। बरामद किए गए इस ड्रग्स की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में पांच करोड़ रुपये बताई जा रही है।

धमोतर थानाप्रभारी दीपक कुमार ने बताया कि जिलेभर में जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार के निर्देशन ड्रग्स तस्करों की धरपकड़ का अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत शनिवार रात को पुलिस थाने के सामने हाईवे पर नाकाबंदी की जा रही थी। इस दौरान एक एम्बुलेंस आती दिखी। पुलिस को देखकर एम्बुलेंस चालक उसे वापस घुमाने लगा। इस पर पुलिस को उस पर शक हो गया। पुलिस ने उसे रोककर वापस जाने का कारण पूछा तो वह कोई संतोषप्रद जवाब नहीं दे पाया।

इस पर पुलिस का चालक पर शक और गहरा गया। बाद में पुलिस ने संदेह के आधार पर एम्बुलेंस की तलाशी ली। तलाशी में दौरान चालक मोहम्मद सलीम कुंजडा के पास एमडीएमए ड्रग्स मिला। उसका वजन 60 ग्राम था। बरामद किए ड्रग्स की अंतरराष्ट्रीय बाजार में मूल्य करीब पांच करोड़ रुपये बताया जा रहा है। इस पर पुलिस ने एम्बुलेंस चालक सलीम कुंजडा को गिरफ्तार कर लिया। वह इलाके के बावड़ी मोहल्ले का रहने वाला है।

पुलिस अब सलीम से पूछताछ कर यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि उसके पास यह घातक ड्रग्स कहां से आया। प्रतापगढ़ समेत राजस्थान में इसकी सप्लाई कौन कर रहा है। उसके संपर्क कहां-कहां है। उल्लेखनीय है कि दो राज्यों की सीमा पर स्थित प्रतापगढ़ में बड़े पैमाने पर ड्रग्स की तस्करी होती है। यहां पूर्व में ड्रग्स तस्करी के कई मामले पकड़े जा चुके है। बहरहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

## विदेश में अध्ययन के लिये पांच छात्रों को मिली 2.25 करोड़ की स्कोलरशीप

**उदयपुर/वार्ता।** राजस्थान राज्य सरकार की राजीव गांधी स्कॉलरशिप स्कीम के तहत आलोक इंटरनेशनल एजुकेशन के छात्रों को विदेश में पढाई के 2.25 करोड़ की स्कॉलरशिप प्रदान की गई। निदेशक हर्षा कुमावत ने बताया कि विदेश में शिक्षा मुहैया कराने में शहर की अग्रणी एज्युकेशन कंसलटेंसी आलोक इन्टरनेशनल स्कूल के 5 छात्रों को सवा दो करोड़ की स्कोलरशीप प्रदान की गई है। राज्य सरकार द्वारा राजीव गांधी स्कोलरशीप फॉर एक्सीलैंस के तहत विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिये यह छात्रवृत्ति दी गई है। इसमें छात्रों को यूनाईट किंगडम की टॉप यूनिवर्सिटी में ग्रेजुएशन एंव पोस्ट ग्रेजुएशन की पढ़ाई के लिये स्कोलरशीप प्रदान की गई है। जिसमें छात्र लॉ, मेनेजमेन्ट, इंजीनियरिंग,साइंस के विभिन्न कोर्सेज का अध्ययन करेंगे। छात्रवृत्ति के तहत विश्वविद्यालय की पूरी ट्यूशन फीस एंव लिविंग एक्सपेंसेज राज्य सरकार द्वारा दिये जायेंगे। निदेशक यतीन्द्र कुमावत ने बताया कि मार्गदर्शन में एडमिशन एवं स्कोलरशीप आवेदन कराया गया था।

# 31 साल बाद आया कुम्हेर हत्याकांड का फैसला, 9 को उम्रकैद की सजा

**41 बरी, 32 आरोपियों की हो चुकी मौत, 16 दलितों की हत्या की थी**

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**भरतपुर/एजेन्सी।** भरतपुर की एससी /एसटी कोर्ट ने कुम्हेर हत्याकांड में शनिवार को फैसला सुनाया। 31 साल पुराने मामले में कोर्ट ने 9 आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। 41 को बरी कर दिया। ट्रायल के दौरान 32 आरोपियों की मौत हो चुकी है। एक आरोपी अब तक फरार है।

6 जून 1992 में कुम्हेर में 16 दलितों की हत्या कर दी गई थी। हत्याकांड की जांच पुलिस ने शुरू की थी। बाद में यह मामला सीबीआई के हवाले कर दिया गया था। सीबीआई ने जांच करते हुए 83 लोगों के खिलाफ कोर्ट में चालान पेश किया था।

वकील राजेंद्र श्रीवास्तव ने बताया- 6 जून 1992 में कुम्हेर इलाके में दो समाजों के लोगों के बीच आपसी कहासुनी हुई थी। झगड़े ने बड़ा रूप ले लिया था। कोर्ट ने 283 लोगों के बयान लिए थे। आजीवन कारावास की सजा पाने वाले लक्खो, प्रेम सिंह, मान सिंह, राजवीर, प्रीतम, पारस जैन, चेतन, शिव सिंह और गोपाल है। फैसला आते ही जिन आरोपियों को सजा मिली, उनके परिजन रोने लग गए।

### बरी हुए एक बुजुर्ग ने कहा- मुझे जबरन फंसाया था

बरी हुए बुजुर्ग मोती सिंह ने कहा- कानून पर पूरा भरोसा था, मेरा इस मामले में कोई लेना-देना नहीं था। जब यह घटना हुई तो मैं मौके पर नहीं था। आरोपियों से जान पहचान होने के चलते लोगों ने जबरदस्ती नाम लिखवा दिया। फैसले में मैं आखिर बरी हो गया।

### 5 मृतकों की पहचान भी नहीं हो सकी थी

कुम्हेर कांड 1992 की गर्मियों में हुआ था। दो समाजों के बीच 1 जून को सिनेमाघर में टिकट को लेकर झगड़ा हुआ था। सिनेमा हॉल के अंदर ही झगड़ा हो गया था। इसके बाद एक पक्ष के लोगों ने 5 जून को पंचायत बुलाई थी और तय किया दूसरे पक्ष के लोगों को सबक सिखाएंगे।

6 जून को एकजुट हुए लोगों ने दूसरे पक्ष पर हमला कर दिया था। 16 लोगों की हत्या कर दी गई थी। 40 से ज्यादा घायल हुए थे। मरने वाले 5 लोगों की शिनाख्त तक नहीं हो सकी थी।

## ट्रक से 30 लाख की चोरी, एक गिरफ्तार

**अजमेर/वार्ता।** राजस्थान में अजमेर की गेगल थाना क्षेत्र में 30 लाख रूपये कीमत के सरियों से भरे ट्रक चोरी जाने के मामले में पुलिस ने खुलासा करते हुये एक आरोपी को गिरफ्तार किया हैं। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वैभव शर्मा ने आज पत्रकारों को बताया कि 28 सितंबर को पीड़ित ट्रक चालक मुमताज़ ने गेगल थाने में सरिये से भरे ट्रक चोरी जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई। जिस पर गेगल थानापुलिस ने कार्यवाही करते हुए अजमेर-जयपुर हाईवे से ही ट्रक को सरिये सहित बरामद कर लिया। उन्होंने बताया कि सरियों से भरा ट्रक खलासी ही लेकर फरार हुआ, जिसे पुलिस ने दबोच लिया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार खलासी रतनसिंह राठौड़ है जो कि जयपुर के मुरलीपुरा थानाक्षेत्र के गणेशनगर का निवासी है। उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया।

# इस शहर में पानी की टंकी पर चढ़कर उठाई जाती है अपनी समस्या, आए दिन लोग बनते हैं 'वीरू'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

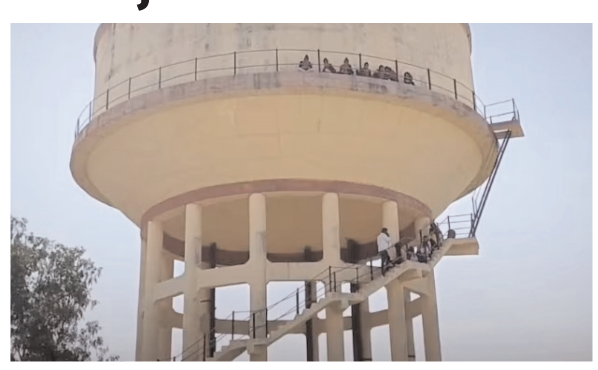

**भरतपुर/एजेन्सी।** वैसे तो पानी की टंकियां ज्यादातर घरों के लिए जल वितरण करने के लिए बनाए जाती हैं। लेकिन भरतपुर शहर में पानी की टंकियों का अलग ही उपयोग किया जा रहा है। इस शहर में छोटी-छोटी बातों को लेकर लोग पानी की टंकियों पर ऊपर चढ़ जाते हैं और प्रदर्शन करते हैं।

भरतपुर शहर में कोई भी समस्या या कोई भी कारण हो तो लोग प्रशासन के पास ना जाकर पानी की टंकी के ऊपर चढ़ जाते हैं और प्रदर्शन करते हैं। ज्यादातर कॉलेज के छात्र-छात्राएं चढ़ते हैं। पानी की टंकियों पर अपनी मांगों को पूरा करने के लिए चढ़ते हैं। छात्रों ने बताया कि वह एनसीसी में भर्ती की मांग को लेकर पानी की टंकी पर चढ़ जाते हैं।

साथ ही कुछ दिन पहले बयान कस्बे में कुंडा तिराहे के पास पानी की टंकी पर चढ़े अभ्यर्थियों ने बताया कि वह लंबे समय से रीट भर्ती परीक्षा में एमबीसी वर्क के लिए आरक्षण 372 पदों पर नियुक्ति की मांग कर रहे हैं। लेकिन जब सरकार ने उनकी नहीं सुनी तो उन्होंने अलग-अलग तरीके से विरोध प्रदर्शन किया और आखिरकार करीब 10 अभ्यर्थी पानी की टंकी पर चढ़ गए जिन्हें 12 घंटे से अधिक समय के बाद नीचे उतारा गया।

17 जुलाई को भी अनुकंपा नौकरी की मांग को लेकर एक युवक शहर की पानी की टंकी पर चढ़ गया था जिसे कैबिनेट मंत्री विश्वेंद्र सिंह के आश्वासन के बाद नीचे उतर गया लेकिन 25 सितंबर को फिर से वहीं युवक दोबारा पानी की टंकी पर चढ़ गया उसका कहना था कि वह लंबे समय से अनुकंपा नियुक्ति की मांग कर रहा है। लेकिन उसे नौकरी नहीं मिली है। इसके साथ ही 16 अगस्त को दो छात्र-छात्र संघ चुनाव की मांग को लेकर टंकी पर चढ़ गए जिन्हें कड़ी मशक्कत के बाद नीचे उतारा गया।

# कोटा में पीओपी से बन रही प्रतिमाएं, रोकने की कोई पहल नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**कोटा/वार्ता।** राजस्थान के कोटा में तमाम प्रतिबंधों के बावजूद धार्मिक आयोजनों के लिए प्लास्टर ऑफ पेरिस (पीओपी) से प्रतिमाओं के बनाने और उन्हें बेचने का सिलसिला जारी है। कोटा में छावनी स्थित बंगाली कॉलोनी इन मूर्तियों के निर्माण का सबसे बड़ा केंद्र बनी हुई है जहां बड़े पैमाने पर प्लास्टर ऑफ पेरिस से बनी हुई प्रतिमाओं का निर्माण होता है और उन्हें भी बेचा भी जाता है।

हालांकि जिला प्रशासन की ओर से ऐसी प्रतिमाओं के निर्माण और उनके विक्रय पर प्रतिबंध लगाते हुए कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी जा चुकी है लेकिन इसके बावजूद न तो प्रतिमाओं का निर्माण का काम रुका है और न ही इसके निर्माण को रोकने की दृष्टि से कही पर कोई सख्ती की झलक दिखाई दी है।

कोटा में अनंत चतुर्दशी के मौके पर गणेश चतुर्थी से गणपति की स्थापना से पहले बड़ी संख्या में प्लास्टर ऑफ पेरिस से बनी हुई गजानंद की मूर्तियां बनाई गई जिन्हें बाद में श्रद्धालुओं को विक्रित भी किया गया। अब यह सिलसिला आने वाले नवरात्र महोत्सव की दृष्टि से जारी है। श्राद्ध पक्ष की समाप्ति के साथ नवरात्रि महोत्सव की शुरूआत होगी और घर-घर में ही नहीं बल्कि सार्वजनिक स्थानों पर भी दुर्गा माता की प्रतिमाओं की स्थापना होगी जिसके लिए बड़े पैमाने पर प्लास्टर ऑफ पेरिस (पीओपी) से मूर्तियां बनाई जा रही है जबकि प्रशासन सहित स्वयंसेवी संगठन, पर्यावरणविद् लगातार लोगों से प्लास्टर ऑफ पेरिस की जगह मिट्टी से बनी मूर्तियों की

स्थापना की अपील करते रहे हैं लेकिन ऐसी अपीलें कारगर साबित होती नजर नहीं आ रही है।

हाल ही में अनंत चतुर्दशी महोत्सव के अवसर पर बड़ी संख्या में प्रतिबंध के बावजूद प्लास्टर ऑफ पेरिस से भगवान गणेश की छोटी से लेकर विराट प्रतिमाएं बनाई गई थी जिन्हें इन महोत्सव के अवसर पर प्राकृतिक जल स्रोतों और अन्य जल स्रोतों में प्रवाहित किया गया लेकिन प्लास्टर ऑफ पेरिस से बनी यह मूर्तियां और इन मूर्तियों के बनाने के बाद उनकी सजावट में इस्तेमाल किए गए रंगों में घातक रसायन होने के कारण वह प्राकृतिक जल स्रोतों और अन्य जल स्रोतों के जीवो और वनस्पतियों को गंभीर नुकसान पहुंचाते हैं। बड़ी संख्या में मछलियां मर भी जाती है जिसके बाद इन रसायनों सहित मरी हुई मछलियों के कारण प्राकृतिक जल स्त्रोतों का पानी दूषित हो जाता है। इसे रोकने के लिए ही केंद्र से लेकर राज्य सरकार और स्थानीय निकाय प्रशासन तक समय-समय पर औपचारिक गाइड लाइन जारी करते रहे हैं जिसे गंभीरता से लागू किए जाने की आवश्यकता है।

प्रतिकूल प्रभावों को ध्यान में रखते हुए प्लास्टर ऑफ पेरिस के बजाय चिकनी मिट्टी, कागज एवं प्राकृतिक वस्तुओं का उपयोग करने, हानिकारक सामग्रियों के उपयोग को हतोत्साहित करने की आवश्यकता है। मूर्ति विसर्जन के लिए केन्द्रीय नियंत्रण प्रदूषण बोर्ड द्वारा दिशा निर्देश जारी किये गये हैं। दिशा निर्देशों के मुख्य पहलुओं में मूर्ति निर्माण के लिए प्राकृतिक सामग्रियों और पारम्परिक मिट्टी का उपयोग, मूर्तियों की पेटिंग को हतोत्साहित करना, पानी में घुलनशील और गैर विषैल प्राकृतिक रंगो को बढ़ावा देना शामिल है।

## शुभारम्भ

राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी ने रविवार को यहां विधान सभा में आधुनिक तकनीक के 33 के वी विद्युत उपकेन्द्र का लोकार्पण किया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. जोशी ने रिमोट से पट्टिका का अनावरण कर विद्युत उपकेन्द्र का लोकार्पण किया। डॉ. जोशी ने विद्युत उपकेन्द्र का अवलोकन किया। अधिकारियों ने डॉ. जोशी को विद्युत उपकेन्द्र की विशिष्टताओं की जानकारी दी। डॉ. जोशी ने फीता काटकर और स्वीच ऑन कर विद्युत उपकेन्द्र का शुभारम्भ किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

# अनुराग ने किया स्वच्छ भारत 3.0 का शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**शिमला।** केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण, युवा मामले व खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने रविवार सुबह दियोटसिद्ध में स्वच्छ भारत 3.0 का शुभारंभ किया। वह आज अपने संसदीय क्षेत्र के हमीरपुर में विश्व हिंदू परिषद द्वारा आयोजित शौर्य जागरण यात्रा में संतों व भद्र जनों के साथ उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त श्री ठाकुर ने ज़िला स्तरीय युवा उत्सव में युवाओं को संबोधित कर जनसमस्याओं की सुनवाई की।

इस अवसर पर नेहरू युवा केंद्र, एनएसएस और अन्य संस्थाओं एवं संगठनों के युवा स्वयंसेवियों को संबोधित करते हुए श्री ठाकुर ने बताया कि एक अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक देश के सभी जिलों में नेहरू युवा केंद्र के माध्यम से स्वच्छ भारत 3.0 अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान के माध्यम से स्वच्छता को एक जन आंदोलन का रूप दिया जाएगा। उन्होंने सभी लोगों से इस अभियान में जुड़ने और स्वच्छता के लिए अपना योगदान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री ने उपस्थित लोगों को सप्ताह में कम से कम दो घंटे और साल में 100 घंटे स्वच्छता के लिए समर्पित करने की शपथ भी दिलाई। साथ ही उन्होंने जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर नेहरू युवा केंद्र की राज्य निदेशक ईरा प्रभात ने केंद्रीय मंत्री का स्वागत किया तथा स्वच्छ भारत 3.0 अभियान की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में नेहरू युवा केंद्र के स्वयंसेवियों, विभिन्न शिक्षण संस्थानों के एनएसएस स्वयंसेवियों और अन्य संस्थाओं के कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

शौर्य जागरण यात्रा में ठाकुर ने कहा, हिंदुत्व हमें सद्भाव सिखाता है, सर्वकल्याण की भावना जगाता है। हिंदू धर्म और हिंदुत्व पर लंबे लेख लिखना आसान है मगर हिंदुत्व को जीवन में उतारना, आचरण में लाना उसे जीना एक चुनावी हिंदू' के बस की बात नहीं। कुछ लोग जिनकी ज़िंदगी और राजनीति ही हिंदू विरोध की धुरी पर टिकी है, जिन्होंने हिंदू को हीन करने व राम को काल्पनिक सिद्ध करने के लिए तन-मन-धन से समर्पित रहे आज वो झूठे आवरण में हिंदू-हिंदुत्व का प्रवचन दे रहे हैं। वो ये भूल रहे हैं, ये नया भारत है जो धार्मिक आक्रांताओं को पहचानता भी है, और उन्हें दर्पण दिखाना भी जानता है। चुनावी हिंदू रूपी कालनेमि ने जब-जब हमारे धैर्य व भावनाओं की लक्ष्मण रेखा लांघी है, उनका भेद खुला है3जवाब जनता ने दिया है।

ठाकुर ने कहा, युवा उत्सवों के आयोजन से युवाओं को जहां अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है, वहीं उनके व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास भी सुनिश्चित होता है तथा देश की समृद्ध संस्कृति का संरक्षण एवं संवर्द्धन भी होता है। युवाओं को नशे जैसी गंभीर समस्या से दूर रखने में भी इस तरह की गतिविधियां काफी सहायक सिद्ध होती हैं। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे मेरी माटी मेरा देश अभियान, स्वच्छता अभियान और अन्य राष्ट्र निर्माण एवं सामाजिक गतिविधियों में भी अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करें।

## सूचना के आदान-प्रदान के साथ सटीक जानकारी पहुंचाने में पुलिस दूरसंचार विभाग की बड़ी भूमिका : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**लखनऊ/भाषा।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि सूचना के आदान-प्रदान के साथ-साथ अन्य महत्वपूर्ण जानकारी लेना तथा सटीक जानकारी पहुंचाने में पुलिस दूरसंचार विभाग की बड़ी भूमिका होती है।

मुख्यमंत्री योगी ने पुलिस रेडियो मुख्यालय पर आयोजित पुलिस दूरसंचार स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा, ''इतिहास इस बात का साक्षी है कि जिस भी बल के साथ में उनका योग्य प्रशिक्षण-उपकरण व शस्त्र रहा है, वह हमेशा विजेता रहा है। हम सब इतिहास में इन बातों को पढ़ते और देखते रहे हैं।' उन्होंने कहा कि 'आज के समय में भी यह बातें उतनी ही महत्वपूर्ण हो जाती हैं। संप्रभु संपन्न सरकार व राष्ट्र इस बात का ध्यान रखते हैं कि वे आधुनिक तकनीक व अत्याधुनिक साधन में पिछड़ने न पाएं। जिस पुलिस फोर्स के लिए आंतरिक सुरक्षा व कानून व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी होती है, उसे पता है कि तकनीक का महत्व क्या हो सकता है।' जारी आधिकारिक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री के संबोधन से पहले गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया, फिर मुख्यमंत्री ने जेसी बोस टेक्नोलॉजी प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। योगी ने स्थापना दिवस के मौके पर तीन अक्टूबर तक होने वाले आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं।

## अजय मकान बने कांग्रेस के नये कोषाध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/वार्ता।** कांग्रेस ने वरिष्ठ नेता अजय माकन को पार्टी का नया कोषाध्यक्ष नियुक्त किया है। कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल ने यह जानकारी देते हुए बताया कि पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने श्री मकान को तत्काल प्रभाव से अपना काम शुरू करने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि श्री खरगे ने अब तक पार्टी के कोषाध्यक्ष के रूप में काम करते रहे वरिष्ठ नेता पवन कुमार बंसल के योगदान की सराहना की है।

## हेलीकॉप्टर को आपात स्थिति में खेत में उतारा गया

**भोपाल/वार्ता।** भोपाल जिले के बैरसिया के पास रविवार को सेना के एक हेलीकॉप्टर को कथित तकनीकी खराबी के कारण आपात स्थिति में खेत में सुरक्षित उतार लिया गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार बैरसिया के पास डुंगरिया गांव के खेत में सुबह हेलीकॉप्टर के उतरने की सूचना पर ग्रामीण पहुंचे। सूचना मिलने पर पुलिस के जवान भी पहुंचे और वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दी गयी। सूत्रों ने कहा कि हेलीकॉप्टर में लगभग छह लोग सवार थे और ये सेना से जुड़े हुए हैं। सभी सुरक्षित हैं। बताया गया है कि हेलीकॉप्टर पायलटों के प्रशिक्षण उड़ान पर था। उड़ान के दौरान हेलीकॉप्टर में तकनीकी खराबी महसूस होने पर उसे एक खेत में उतारा गया। घटना की सूचना सेना के अधिकारियों को भी दे दी गयी है। हेलीकॉप्टर के आसपास पुलिस ने ऐहतियातन अपना सुरक्षा घेरा बना दिया है।

## फिरंगी महल में आज भी बसती हैं महात्मा गांधी की यादें

**लखनऊ/भाषा।** राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का लखनऊ के ऐतिहासिक 'फिरंगी महल' से खास जुड़ाव रहा है। खिलाफत आंदोलन के दौरान कौमी एकजुटता जाहिर करने के लिए बापू कई बार फिरंगी महल आये थे। ऐतिहासिक दस्तावेजों के मुताबिक महात्मा गांधी वर्ष 1920 में शुरू हुए खिलाफत आंदोलन के दौरान तीन बार फिरंगी महल आए और उस वक्त के प्रभावशाली राष्ट्रवादी नेता और सूफी मौलाना अब्दुल बारी फिरंगी महली के घर में ठहरे थे। वह कमरा आज भी मौजूद है जहां महात्मा गांधी रुकते थे और अब इसे एक संग्रहालय के तौर पर संरक्षित रखा गया है। मौलाना अब्दुल बारी फिरंगी महली के नगर नाती अदनान ने बताया कि महात्मा गांधी वर्ष 1920 से 1922 के बीच तीन बार फिरंगी महल आए थे। चूंकि महात्मा गांधी पूर्णतः शाकाहारी थे इसलिए लखनऊ के चौक इलाके से खासतौर से एक ब्राह्मण बावर्ची बुलाया जाता था जो उनके लिए खाना बनाता था। महात्मा गांधी ने इसका जिक्र अपनी आत्मकथा में भी किया है। उन्होंने बताया कि सबसे खास बात यह थी कि फिरंगी महल के दौरे पर एक बार महात्मा गांधी अपने साथ अपनी बकरी भी लाए थे और एक बार उनकी पत्नी कस्तूरबा गांधी तथा कुछ अन्य रिश्तेदार भी यहां आकर ठहरे थे। इसके दस्तावेजी सुबूत फिरंगी महल में आज भी महफूज हैं। अदनान ने बताया कि महात्मा गांधी का फिरंगी महल के दौरे का उद्देश्य आपसी एकजुटता को बढ़ावा देने का था। उन्होंने बताया, '' उस वक्त फिरंगी महल में दो तरह की विचारधाराएं थीं। एक ऐसी विचारधारा थी जिसमें कुछ उलेमा अंग्रेजों के साथ थे और उनका सोचना था कि अंग्रेजो के साथ ही मुल्क की तरक्की मुमकिन है जबकि मौलाना अब्दुल बारी की सोच इससे बिल्कुल अलग थी और उन्होंने महात्मा गांधी के आंदोलन में उनके साथ देने का फैसला किया था।''

## जनता दल (एस) की महाराष्ट्र इकाई ने भाजपा के साथ गठबंधन का विरोध किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**कोल्हापुर/वार्ता।** जनता दल (एस) की महाराष्ट्र इकाई ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ किसी भी गठबंधन का विरोध किया और कर्नाटक में भगवा दल के साथ गठबंधन करने के पार्टी प्रमुख एवं पूर्व प्रधान मंत्री देवेगौड़ा के फैसले की आलोचना की। जद (एस) के राष्ट्रीय कार्य समिति के सदस्य प्रताप होगाडे ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि शनिवार को पुणे में आयोजित समिति के सदस्यों और जिला अध्यक्षों की बैठक में भाजपा के साथ गठबंधन बनाने के फैसले का कड़ा विरोध और निंदा की गई। यह सर्वसम्मत, स्पष्ट और दृढ़ रुख था कि महाराष्ट्र जद (एस) किसी भी परिस्थिति में ऐसे किसी भी गठबंधन या निर्णय में भाग नहीं लेगा और जनता दल के विभिन्न राज्य संगठनों ने गठबंधन के बारे में सामूहिक विचार प्रक्रिया भी शुरू कर दी है।

होगाडे ने कहा कि बैठक में एक उपयुक्त विकल्प पर विचार करने के लिए राष्ट्रीय जनता दल और समाजवादी पार्टी सहित समान विचारधारा वाले दलों के नेताओं के साथ चर्चा करने का भी निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि विधायक गंगाधर पटने की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में 20 जिलों से कुल 80 आमंत्रित सदस्य उपस्थित थे।

## बीआरएस नेता कासिरेड्डी नारायण रेड्डी ने पार्टी से दिया इस्तीफा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**हैदराबाद/वार्ता।** तेलंगाना में सत्तारुढ़ भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के विधान परिषद सदस्य कासिरेड्डी नारायण रेड्डी ने कांग्रेस में शामिल होने का इरादा व्यक्त करते हुए रविवार को पार्टी से अपना इस्तीफा दे दिया।

नारायण रेड्डी ने रविवार सुबह अपने आवास पर तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष , सांसद एन. रावेंथा रेड्डी, के साथ बैठक की और उसके बाद अपना औपचारिक त्याग पत्र जारी किया। उन्होंने अपने बयान में कांग्रेस में शामिल होने के अपने फैसले को पार्टी की छह गारंटियों में उनके विश्वास का परिणाम बताया। इन गारंटियों के बारे में उनका मानना है कि इससे वंचितों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आएंगे। ऐसी अटकलें चल रही हैं कि वह कलवाकुर्थी निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ सकते हैं। एक अन्य घटनाक्रम में, नगरकुर्नूल जिला परिषद के उपाध्यक्ष बालाजी सिंह ने भी कांग्रेस के साथ जुड़ने के अपने इरादे की घोषणा करते हुए बीआरएस से नाता तोड़ लिया। इस बीच मेडक जिला कांग्रेस अध्यक्ष तिरूपति रेड्डी ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है।

## राहुल ने हिंदू धर्म पर लिखा लेख सोशल मीडिया पर किया साझा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/वार्ता।** कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भय, धर्म तथा अन्य पिछड़े वर्ग (ओबीसी) की राजनीतिक चर्चा के बीच सत्यम, शिवम, सुंदरम नाम से लेख सोशल मीडिया पर साझा किया जिसमें पूर्वाग्रह तथा भय से मुक्त होकर सत्य व अहिंसा के मार्ग पर चलकर सबको आत्मसात करना ही हिन्दू होना है। गांधी ने हिन्दू होने का मतलब दार्शनिक अंदाज़ में समझाते हुए कहा, हिंदू अपने अस्तित्व में समस्त चराचर को करुणा और गरिमा के साथ उदारतापूर्वक आत्मसात करता है, क्योंकि वह जानता है कि जीवन रुपी इस महासागर में हम सब डूब-उतर रहे हैं।

भय का जिक्र करते हुए उन्होंने लिखा जिस व्यक्ति में अपने भय की तह में जाकर इस महासागर को सत्यनिष्ठा से देखने का साहस है- वहीं हिंदू है। एक हिंदू में अपने भय को गहनता में देखने और उसे स्वीकार करने का साहस होता है। जीवन की यात्रा में वह भय रुपी शत्रु को मित्र में बदलना सीखता है। भय उस पर कभी हावी नहीं हो पाता, वरन घनिष्ठ सखा बनकर उसे आगे की राह दिखाता है। एक हिंदू की आत्मा इतनी कमज़ोर नहीं होती कि वह अपने भय के वश में आकर किसी क़िस्म के क्रोध, घृणा या प्रतिहिंसा का माध्यम बन जाए। गांधी ने जीवन के अर्थ को परिभाषित करते हुए अपने लेख में लिखा, कल्पना कीजिए, जिंदगी प्रेम और उल्लास का, भूख और भय का एक महासागर है और हम सब उसमें तैर रहे हैं। इसकी खूबसूरत और भयावह, शक्तिशाली और सतत परिवर्तनशील लहरों के बीचोंबीच हम जीने का प्रयत्न करते हैं। इस महासागर में जहां प्रेम, उल्लास और अथाह आनंद है- वहीं भय भी है। मृत्यु का भय, भूख का भय, दुखों का भय, लाभ-हानि का भय, भीड़ में खो जाने और असफल रह जाने का भय। इस महासागर में सामूहिक और निरंतर यात्रा का नाम जीवन है जिसकी भयावह गहराइयों में हम सब तैरते हैं। इसलिए, क्योंकि इस महासागर से आज तक न तो कोई बच पाया है, न ही बच पाएगा। कमजोर वर्ग यानी ओबीसी की राजनीति को साधते हुए उन्होंने कहा हिन्दू धर्म कमजोरों की मदद कर और सबको आत्मसात करता है।

## सौंदर्यराजन ने राजभवन में श्रमदान' स्वच्छता अभियान का किया नेतृत्व

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**हैदराबाद/वार्ता।** तेलंगाना की राज्यपाल और पुडुचेरी की उपराज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सौंदर्यराजन ने नेतृत्व का एक उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए रविवार सुबह राजभवन परिसर के भीतर एक महत्वपूर्ण 'श्रमदान' सफाई अभियान का नेतृत्व किया। यह पहल स्वच्छ भारत अभियान के मूल सिद्धांतों के साथ सहजता से मेल खाती है।

राज्यपाल ने एक स्वच्छ और हरित राष्ट्र के लिए हमारी सामूहिक जिम्मेदारी पर जोर देते हुए सभी नागरिकों से इस नेक काम को अपनाने का उत्साहपूर्वक आह्वान किया।

उन्होंने इस महत्वपूर्ण मिशन के प्रति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अटूट प्रतिबद्धता की सराहना की और पर्यावरण-अनुकूल प्रतिष्ठान बनाए रखने के लिए राजभवन के अटूट सम्पर्ण का वादा किया। एक हार्दिक अपील में उन्होंने तेलंगाना के लोगों से अपने आसपास के क्षेत्र में स्वच्छता की संस्कृति विकसित करने का आग्रह किया। 'श्रमदान' कार्यक्रम में राजभवन के अधिकारियों और कर्मचारियों की पूरे दिल से भागीदारी देखी गई, जो स्वच्छ भारत पहल के लक्ष्यों को प्राप्त करने में सामुदायिक भागीदारी के सर्वोपरि महत्व को रेखांकित करता है। राज्यपाल सौंदर्यराजन का नेतृत्व एक प्रेरणा के रूप में कार्य करता है, जो नागरिकों को इस आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित करता है। राजभवन की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि जैसे ही सुबह के सूरज ने राजभवन को अपनी गर्माहट से भर लिया, राज्यपाल का संदेश गूंज उठा, जो सभी के लिए स्वच्छ, स्वस्थ और अधिक समृद्ध भविष्य के लिए साझा दृष्टिकोण को प्रतिध्वनित करता है।

## सितंबर में जीएसटी राजस्व संग्रह 1.62 लाख करोड़ रुपए

**नई दिल्ली/वार्ता।** माल एवं सेवा कर (जीएसटी) राजस्व संग्रह इस वर्ष सितंबर में 1.62 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा है जो पिछले वर्ष सितंबर में संग्रहित जीएसटी 147686 करोड़ रुपये की तुलना में 10 प्रतिशत अधिक है।

इस वर्ष अगस्त में जीएसटी राजस्व संग्रह 1.59 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा था। इस वर्ष अप्रैल में रिकार्ड 1.87 लाख करोड़ रुपये का जीएसटी राजस्व संग्रहित हुआ था जो अब तक का सर्वाधिक राजस्व था। इससे पहले पिछले वर्ष अप्रैल में यह राशि 167540 करोड़ रुपये रहा था। पिछले 18 महीने से जीएसटी राजस्व संग्रह 1.40 लाख करोड़ रुपये से अधिक बना हुआ है। मार्च 2023 में यह 160122 करोड़ रुपये रहा था।

वित्त मंत्रालय ने आज यहां जीएसटी राजस्व संग्रह का आंकड़ा जारी किया जिसमें सितंबर 2023 में संग्रहित राजस्व 162712 करोड़ रुपये रहा है। इस वर्ष सितंबर में संग्रहित राजस्व में सीजीएसटी 29818 करोड़ रुपए, एसजीएसटी 37657 करोड़ रुपये, आईजीएसटी 83623 करोड़ रुपये रहा जिसमें आयात पर संग्रहित कर 41145 करोड़ रुपये शामिल है। उपकर संग्रह 11613 करोड़ रुपये रहा जिसमें आयात पर संग्रहित कर 881 करोड़ रुपये शामिल है।

## वरिष्ठ नागरिक समाज के लिए अमूल्य हैं, उनका ध्यान रखा जाना चाहिए : पटनायक

**भुवनेश्वर/भाषा।** ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने रविवार को कहा कि वरिष्ठ नागरिक समाज के लिए अमूल्य हैं और उनकी देखभाल की जानी चाहिए। पटनायक ने अंतरराष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक दिवस के अवसर पर एक वीडियो संदेश में कहा कि उनके पास अनुभव एवं विभिन्न समस्याओं का समाधान होता है। उन्होंने कहा, लिहाजा, हमें उनसे ज्यादा से ज्यादा सीखना चाहिए। उन्होंने वृद्ध व्यक्तियों के लिए उनकी सरकार द्वारा शुरू की गई मधु बाबू पेंशन योजना (एमबीपीवाई) समेत विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों के लिए विभिन्न अस्पतालों में वृद्धाश्रम, वृद्धावस्था वार्ड और फिजियोथेरेपी केंद्र जैसी सुविधाएं स्थापित की गई हैं।

## दुर्गा पूजा से पहले अगरतला को मुंबई से जोड़ने की तैयारी

**अगरतला/वार्ता।** त्रिपुरा सरकार के जवाब में पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) ने लोकमान्य तिलक-कामाख्या साप्ताहिक एक्सप्रेस की ट्रेन सेवा को अगरतला तक विस्तारित करने की योजना की घोषणा की है। यह ट्रेन वर्तमान में मुंबई को उसके गंतव्य गुवाहाटी से जोड़ती है।

परिवहन सचिव यू.के. चकमा ने यहां कहा कि अगरतला रेलवे स्टेशन से ट्रेन सेवा 20 अक्टूबर को होने वाली दुर्गा पूजा से पहले शुरू होने की उम्मीद है। अगरतला तक एक्सप्रेस ट्रेन सेवा के विस्तार के साथ प्रदेश देश के सभी महत्वपूर्ण गंतव्यों से जोड़ दिया गया है, जिसमें सभी चार मेट्रो शहरों, कोलकाता, दिल्ली, चेन्नई और मुंबई के लिए सीधी ट्रेनें शामिल हैं।

## मणिपुरी छात्र-छात्रा की हत्या के मामले में चार आरोपी गिरफ्तार : मुख्यमंत्री बीरेन सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**इम्फाल/भाषा।** मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने रविवार को कहा कि मणिपुर के एक किशोर छात्र और एक छात्रा के अपहरण और हत्या के सिलसिले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इस घटना के कारण पिछले सप्ताह मणिपुर में हिंसक विरोध प्रदर्शन हुआ था।

सिंह ने कहा कि सरकार मामले में दोषियों के लिए मौत की सजा समेत अधिकतम सजा सुनिश्चित करेगी। उन्होंने कहा कि मुख्य आरोपी की पत्नी सहित चारों को एक विशेष उड़ान से राज्य के बाहर ले जाया गया है।

मुख्यमंत्री सचिवालय के अधिकारियों ने कहा कि मामले के सिलसिले में 11 और नौ साल की दो लड़कियों को हिरासत में लिया गया था, लेकिन बाद में उन्हें छोड़ दिया गया। दोनों मुख्य आरोपी की बेटियां हैं। सिंह ने प्रेसवार्ता में कहा, ''दो युवकों की हत्या के आरोप में सीबीआई ने चूराचांदपुर जिले के हेंगलेप इलाके से चार लोगों को गिरफ्तार किया है। उन्हें विशेष विमान के जरिये राज्य से बाहर ले जाया गया है।'' हालांकि, उन्होंने उस स्थान के बारे में जानकारी साझा नहीं की, जहां आरोपियों को ले जाया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए गए अभियान के दौरान सेना, बीएसएफ, सीआरपीएफ जैसे अर्धसैनिक बलों और राज्य पुलिस के जवानों ने प्रमुख भूमिका निभाई। सीबीआई के विशेष निदेशक अजय भटनागर के नेतृत्व में सीबीआई अधिकारियों की एक टीम ने 27 सितंबर को मणिपुर पहुंचकर मामले की जांच शुरू की थी। इससे पहले, मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर कहा, ''जैसा कि कहा जाता है, कोई अपराध करने के बाद भाग सकता है, लेकिन कानून के लंबे हाथों से नहीं बच सकता। हम उनके द्वारा किए गए जघन्य अपराध के लिए मृत्युदंड सहित अधिकतम सजा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'' सिंह ने कहा कि सरकार जांच में सीबीआई की मदद करेगी और दोनों युवाओं की हत्या में शामिल सभी लोगों को गिरफ्तार किया जाएगा। एक युवक और एक युवती छह जुलाई को लापता हो गए थे। उनके शवों की तस्वीरें 25 सितंबर को सामने आईं। इसके बाद, 26 और 27 सितंबर को छात्रों के हिंसक विरोध प्रदर्शन ने राज्य की राजधानी को हिलाकर रख दिया।

## कर्मचारी चयन आयोग का लक्ष्य 22 भारतीय भाषाओं में प्रतियोगी परीक्षाएं आयोजित करना : जितेंद्र सिंह

**नई दिल्ली/भाषा।** केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) का लक्ष्य भविष्य में 22 भारतीय भाषाओं में प्रतियोगी परीक्षाएं आयोजित करना है। उन्होंने यहां ''भारतीय भाषा उत्सव: प्रौद्योगिकी एवं भारतीय भाषा शिखर सम्मेलन'' के समापन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि उनका इरादा सभी इच्छुक उम्मीदवारों को भाषाई बाध्यताओं से परे समान अवसर प्रदान करना है।

सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आदेश पर इस वर्ष से, एसएससी परीक्षाएं 13 भाषाओं- 11 क्षेत्रीय भाषाओं और हिंदी एवं अंग्रेजी- में आयोजित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले, परीक्षार्थियों के पास परीक्षा के माध्यम के रूप में हिंदी या अंग्रेजी में से किसी एक को चुनने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। कार्मिक राज्य मंत्री सिंह ने कहा कि 2014 से पहले अंग्रेजी का हिंदी में अनुवाद भी बहुत खराब तरीके से किया जाता था, जिससे कई छात्रों को नुकसान होता था। कार्मिक मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, उन्होंने कहा कि आने वाले समय में एसएससी का लक्ष्य संविधान की आठवीं अनुसूची में उल्लिखित सभी 22 भारतीय भाषाओं में प्रतियोगी परीक्षाएं आयोजित करना है।

## सुविचार

**व्यवहार कुशल होना सफल जीवन का एक सुखद मार्ग है। जो व्यक्ति व्यवहार कुशल होता है वह जीवन में कभी असफल नहीं होता।**

## दक्षिण भारत राष्ट्रमत

# निवेश में सतर्कता बरतें

बेंगलूरु पुलिस ने 854 करोड़ रुपए के जिस साइबर धोखाधड़ी मामले का भंडाफोड़ कर छह लोगों को गिरफ्तार किया है, उसमें निवेशकों के लिए सतर्कता संबंधी कई सबक हैं। आश्चर्य होता है कि लोगों ने भारी मुनाफे को लेकर सोशल मीडिया पर किए गए वादों को सच मान लिया और आरोपियों को मोटी रकम भेज दी! किसी के मन में यह सवाल क्यों नहीं पैदा हुआ कि अगर ये लोग कम निवेश पर इतना ज्यादा मुनाफा दे रहे हैं तो अपनी ही रकम लगाकर कमाई क्यों नहीं कर लेते? इन्हें जनता से रकम क्यों चाहिए? आरोपी यह कहते हुए निवेश का झांसा देते थे कि 1,000 रु. से 10,000 रु. तक की छोटी रकम का निवेश करें और बदले में हर दिन 1,000 से 5,000 रु. कमाएं! क्या उनके पास जादू का कोई चिराग था या रुपयों का पेड़ लगा रखा था? अगर ऐसी कोई योजना होती तो जाने-माने अर्थशास्त्री यह नुस्खा सबको बता देते और अब तक दुनिया में हर कोई अरबपति हो जाता। स्पष्ट है कि यह ठगी का जाल था, जिसमें लालच का चारा लगाकर निवेशकों को फंसाया गया। यह इस किस्म की पहली घटना नहीं है। देश के विभिन्न राज्यों में हर साल ऐसे मामले सामने आते हैं, जिनमें कई लोगों को चूना लगाया गया। फिर भी लोग सबक नहीं लेते और ठगों को अपनी मेहनत की कमाई सौंपकर मुनाफे की उम्मीद लगा लेते हैं। पहले, कई ठग सोना-चांदी दुगुना करने के नाम पर लोगों को खूब लूटते थे। ऐसी कई कहानियां हैं, जिनसे पता चलता है कि लोगों ने ठगों की बातों में आकर गहने, सिक्के आदि उनके हवाले कर दिए थे। महीनेभर बाद जब पिटारा खोलकर देखा तो वहां कंकर मिले। पिछले कुछ वर्षों से ऐसी 'योजनाओं' के पीड़ित अपना दुखड़ा सुनाते मिल जाते हैं कि उनके किसी परिचित ने बताया कि मालामाल बनाने वाली नई स्कीम आई है, जिसमें इतने रुपए लगाओ, दूसरे लोगों को जोड़ो ... आसान शब्दों में कहें तो 'इसकी टोपी उसके सिर' रखो! फिर भारी मुनाफे के साथ लॉटरी में कोई इनाम निकलेगा।

इस झांसे में आकर बहुत लोगों ने जीवनभर की कमाई गंवा दी। कई लोगों ने तो रातोंरात करोड़पति बनने का ख्वाब देखा, फिर ब्याज पर रुपए उठाए और आखिर में पछताते रह गए। अब सोशल मीडिया ने ठगों का काम और ज्यादा आसान कर दिया है। वे लुभावनी योजनाओं में निवेश और जोरदार मुनाफे का वादा करने वाली पोस्ट डाल देते हैं। उसके बाद लोग उनके पास खिंचे चले आते हैं। वास्तव में ठग जानते हैं कि 'ईज़ी मनी' लोगों की कमजोरी है। अगर कोई यह कहता है कि 'मेहनत व ईमानदारी से धन कमाएं तथा उसे विश्वसनीय योजना में निवेश करें', तो उसकी बात बहुत कम लोगों को आकर्षित करेगी। वहीं, अगर कोई यह कहे कि 'चुटकियों में धन कमाएं और तगड़ी योजना में निवेश कर कुछ ही दिनों में बैठे-बैठे मालामाल हो जाएं', तो हर किसी का ध्यान उसकी ओर जाएगा। 'ईज़ी मनी' के लोभ में उच्च शिक्षित लोग भी आ जाते हैं। हाल में नोएडा में एक व्यक्ति को टेलीग्राम पर संदेश मिला कि वह विभिन्न होटलों का ऑनलाइन रिव्यू देकर घर बैठे मोटी कमाई कर सकता है। फिर उसे एक 'निवेश योजना' से जोड़ा गया, जिसमें चार गुना मुनाफा मिलने का वादा किया गया था। उस व्यक्ति ने साइबर ठगों को 40.73 लाख रुपए भेज दिए। जब उसने अपना मुनाफा मांगा तो उसे टेलीग्राम समूह से बाहर निकालकर नंबर ब्लॉक कर दिया गया। अगर वह इस रकम से स्वरोजगार कर लेता या पोस्ट ऑफिस, बैंक की किसी योजना में निवेश कर देता तो उसे बढ़िया प्रतिफल मिलता, धन भी सुरक्षित होता। इसी तरह पार्ट टाइम नौकरी कर घर बैठे लाखों रुपए कमाने का झांसा देकर साइबर जालसाजों ने दो महिलाओं से 21.50 लाख रुपए की ठगी कर ली। उनके पास टेलीग्राम पर संदेश आया कि रोजाना एक से तीन हजार रुपए कमाए जा सकते हैं। जालसाजों ने 10,500 रुपए जमा कराने की बात कही। फिर उन्हें लुभाने के लिए कुछ मुनाफा दिया। इसके बाद उन्हें चार गुना मुनाफे का झांसा देकर लाखों रुपए का प्रस्ताव भेजा गया। महिलाओं ने उनकी बातों पर विश्वास कर उक्त रकम भेज दी। जब उन्होंने अपने रुपए वापस मांगे तो समूह से बाहर निकालकर नंबर ब्लॉक कर दिया गया। ऐसी घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। इनसे सुरक्षित रहने का तरीका यही है कि 'ईज़ी मनी' का मोह छोड़ें और अपना धन विश्वसनीय योजनाओं में ही निवेश करें। निवेश पर भारी-भरकम मुनाफे का लालच महंगा पड़ सकता है।

## ट्वीटर टॉक

बुजुर्ग हमारी संस्कृति व सभ्यता के ध्वजवाहक हैं तथा इनका सम्मान हम सभी का कर्तव्य है। आइए, अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर हम परिवार एवं समाज के सभी बुजुर्गों के प्रति सम्मान भाव रखने तथा उनकी सेहत व सुरक्षा का ख्याल रखने का प्रण करें।

**-वसुन्धरा राजे**

असंवेदनशील प्रदेश कांग्रेस सरकार के मुख्यमंत्री जो गृहमंत्री भी हैं, अपनी कुर्सी की सुरक्षा में ऐसे खोए कि प्रदेश के अपराध, महिला दुष्कर्म और अत्याचार की घटनाएं उन्हें नजर नहीं आई। इसी का नतीजा आज प्रदेश में प्रतिदिन किसी बच्ची से दुष्कर्म जैसी जघन्य घटनाएं होती हैं।

**-सीपी जोशी**

## प्रेरक प्रसंग

# सुन्दरता

उएक कौआ सोचने लगा कि पंछियों में मैं सबसे ज्यादा कुरूप हूँ। न तो मेरी आवाज ही अच्छी है, न ही मेरे पंख सुंदर हैं। मैं काला-कलूटा हूँ। ऐसा सोचने से उसके अंदर हीनभावना भरने लगी और वह दुखी रहने लगा। एक दिन एक बगुले ने उसे उदास देखा तो उसकी उदासी का कारण पूछा। कौवे ने कहा, तुम कितने सुंदर हो, गोरे-चिट्टे हो, मैं तो बिल्कुल स्याह वर्ण का हूँ। मेरा तो जीना ही बेकार है। बगुला बोला, दोस्त मैं कहाँ सुंदर हूँ। मैं जब तोते को देखता हूँ, तो यही सोचता हूँ कि मेरे पास हरे पंख और लाल चोंच क्यों नहीं है। अब कौए में सुन्दरता को जानने की उत्सुकता बढ़ी। वह तोते के पास गया। बोला, तुम इतने सुन्दर हो, तुम तो बहुत खुश होते होगे ? तोता बोला- खुश तो था लेकिन जब मैंने मोर को देखा, तब से बहुत दुखी हूँ, क्योंकि वह बहुत सुन्दर होता है। कौआ मोर को ढूंढने लगा, लेकिन जंगल में कहीं मोर नहीं मिला। जंगल के पक्षियों ने बताया कि सारे मोर चिड़ियाघर वाले पकड़ कर ले गये हैं। कौआ चिड़ियाघर गया, वहाँ एक पिंजरे में बंद मोर से जब उसकी सुंदरता की बात की, तो मोर रोने लगा। और बोला, शुक्र मनाओ कि तुम सुंदर नहीं हो, तभी आजादी से घूम रहे हो वरना मेरी तरह किसी पिंजरे में बंद होते।

## परम्पराएं

# हिन्दू धर्म में जरूरी है पितरों का पूजन

**हर्षवर्धन पाण्डे**

प्राचीन सनातन धर्म के अनुसार हमारे पूर्वज देवतुल्य हैं और इस धरा पर हमने जीवन प्राप्त किया है और जिस प्रकार उन्होंने हमारा लालन-पालन कर हमें कृतार्थ किया है, उससे हम उनके ऋणी हैं। समर्पण और कृतज्ञता की इसी भावना से श्राद्ध पक्ष प्रेरित है, जो जातक को पितर ऋण से मुक्ति मार्ग दिखाता है। ब्रह्मपुराण के अनुसार जो कुछ उचित काल पात्र एवं स्थान के अनुसार उचित (शास्त्रानुमोदित) विधि द्वारा पितरों को लक्ष्य करके श्रद्धापूर्वक ब्राह्मणों को दिया जाता है, श्राद्ध कहलाता है। हिंदू धर्म के अनुसार, प्रत्येक शुभ कार्य के प्रारंभ में माता पिता, पूर्वजों को नमस्कार या प्रणाम करना हमारा कर्तव्य है। श्रीमद् भागवत के अनुसार जन्म लेने वाले की मृत्यु और मृत्यु को प्राप्त होने वाले का जन्म निश्चित है। जीवन-मरण का ये चक्र प्रकृति का नियम है। सनातनी संस्कृति का लोक विश्वास है कि व्यक्ति अपने जीवन काल में किये कर्मों के अनुसार पाप और पुण्य का भागी होता है। अच्छे कर्मों से उसे स्वर्ग लोक तथा बुरे कामों से नरक भोगना पड़ता है। भावनात्मक लगाव के कारण पितर लोक में रहने वाले पितरों की याद उनके वंशजों को अवश्य आती है और पितृऋण चुकाने के लिये उनकी श्रद्धा सदैव बनी रहती है। इसी निमित्त श्राद्ध किया जाता है। हमारी लोक आस्था ये भी है कि श्राद्ध से प्रसन्न होकर पितृगणों द्वारा अपने वंशजों को विद्या, धन, आयु, आरोग्य और संतान सुख का आशीर्वाद मिलता है। विधि पूर्वक, शांतचित्त और पूर्ण श्रद्धा से श्राद्ध किए जाने पर व्यक्ति का परिवार फलता-फूलता है। समयानुसार श्राद्ध करने से कुल में कोई दुखी नहीं रहता। पितरों की पूजा करके मनुष्य आयु, पुत्र, यश, स्वर्ग, कीर्ति, पुष्टि, बल, श्री, पशु, सुख और धन-धान्य प्राप्त करता है।

देवताओं से पहले पितरों को प्रसन्न करना अधिक कल्याणकारी है। आश्विन कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि से अमावस्या तक का समय श्राद्ध पक्ष कहलाता है। इस वर्ष 29 सितंबर से 14 अक्तूबर 2023 तक पितृ पक्ष है। इस अवधि के 16 दिन पितरों अर्थात श्राद्ध कर्म के लिए विशेष रूप से निर्धारित किए गए हैं। कहा गया है पितृ पक्ष में किए गए कार्यों से पूर्वजों की आत्मा को शांति प्राप्त होती है तथा कर्ता को पितृ ऋण से मुक्ति मिलती है। आत्मा की अमरता का सिद्धांत तो स्वयं वासुदेव श्री कृष्ण गीता में उपदेशित करते हैं। आत्मा जब तक अपने परम-आत्मा से संयोग नहीं कर लेती, तब तक विभिन्न योनियों में भटकती रहती है और इस दौरान उसे श्राद्ध कर्म में संतुष्टि मिलती है। पितरों की पूजा करके मनुष्य आयु, पुत्र, यश, स्वर्ग, कीर्ति, पुष्टि, बल, श्री, पशु, सुख और धन-धान्य प्राप्त करता है। श्राद्ध - कर्म में एक हुए चावल दूध और तिल को मिश्रित करके पिंड बनाने की परंपरा है। पिंड का अर्थ है एक शरीर। यह एक पारंपरिक विश्वास है, जिसे विज्ञान भी मानता है कि हर पीढ़ी के भीतर माता , पिता दोनों में पहले की पीढ़ियों के समन्वित गुणसूत्र उपस्थित होते हैं। चावल के पिंड जो पिता, दादा परदादा और पितामह के शरीरों का प्रतीक हैं, आपस में मिलकर फिर अलग बांटते हैं। यह प्रतीकात्मक अनुष्ठान जिन-जिन लोगों के गुणसूत्र (जीन्स) श्राद्ध करने वाले की अपनी देह में हैं, उनकी तृप्ति के लिए होता है। इस पक्ष में किये जाने वाले तर्पण का भी विशेष महत्व है। जल में दूध, जौं, चावल, चंदन, गंगाजल डालकर तर्पण कार्य करते हैं। आत्मा की तृप्ति के लिए तर्पण किया है। स्वर्गस्थ आत्माओं की तृप्ति किसी पदार्थ से खाने पहनने आदि की वस्तु से नहीं होती क्योंकि स्थूल शरीर के लिए भौतिक उपकरणों की आवश्यकता पड़ती है। मरने के बाद स्थूल शरीर समाप्त होकर केवल सूक्ष्म शरीर ही रह जाता है। सूक्ष्म शरीर को भूख, प्यास, सर्दी, गर्मी आदि की आवश्यकता नहीं रहती। उसकी तृप्ति का विषय कोई खाद्य पदार्थ या हाड़ मांस वाले शरीर के लिए उपयुक्त उपकरण नहीं हो सकते। सूक्ष्म शरीर में विचरना, चेतना भावना की प्रधानता रहती है। इसलिए उसमें उत्कृष्ट भावनाओं से बना अंतःकरण या वातावरण ही शांतिदायक होता है। श्राद्ध के अनेक वैज्ञानिक पहलू भी मौजूद हैं। जन्म एवं मृत्यु का रहस्य अत्यंत गूढ़ है। वेदों में, दर्शन शास्त्रों में, उपनिषदों एवं पुराणों आदि में हमारे ऋषियों-मनीषियों ने इस विषय पर विचार किया है। श्रीमद्भागवत में भी स्पष्ट रूप से बताया गया है कि जन्म लेने वाले की मृत्यु और मृत्यु को प्राप्त होने वाले का जन्म निति है। यह प्रकृति का शाश्वत नियम है। शरीर नष्ट होता है, मगर आत्मा कभी भी नष्ट नहीं होती है। वह पुनः जन्म लेती है और बार-बार जन्म लेती है। इस पुनः जन्म के आधार पर ही कर्मकांड में श्राद्ध आदि कर्म का विधान निर्मित किया गया है।

हिंदू धर्म में पितरों का विशेष पूजन किया जाता है। मान्यता है कि पितृ प्रसन्न होने पर जीवन में आने वाली परेशानियों को दूर करते हैं और जीवन में सुख समृद्धि प्रदान करते हैं। पितृपक्ष में बिहार का एकमात्र ऐसा शहर 'गया जी' है जहाँ पितृपक्ष के 17 दिनों के मेले में यहां पिंडदान के लिए विदेशों से भी श्रद्धालु पहुंचते हैं। इस वर्ष भी गया में एक पखवाड़े तक चलने वाले पितृपक्ष मेले का आयोजन होगा।किसी जमाने में यहां पर 360 पिंड वेदियां हुआ करती थीं, जिनमें से अब कई लुप्त हो चुकी हैं। उनमें से गिनती की ही पिंडवेदी बची है। ज्ञान और मोक्ष की प्रदाता भूमि गया में पितरों को पिंडदान देने की पुरातन परंपरा के अनुसार पितृपक्ष का विशेष महत्व है। आश्विन कृष्णपक्ष की प्रतिपदा से शुरू होकर अमावस्या तक की अवधि को पितृपक्ष माना जाता है। वैदिक परंपरा और-हिंदू मान्यताओं के अनुसार पितरों के लिए श्रद्धा से श्राद्ध करना एक महान और उत्कृष्ट कार्य है। मान्यता के मुताबिक पुत्र का पुत्रत्व तभी सार्थक माना जाता है, जब वह अपने जीवन काल में जीवित माता-पिता की सेवा करे और उनके मरणोपरांत उनकी मृत्यु तिथि (बरसी) तथा महालय (पितृपक्ष) में उनका विधिवत श्राद्ध करे। मान्यता के अनुसार पिंडदान मोक्ष प्राप्ति का एक सहज और सरल मार्ग लोग है। देश के हरिद्वार, गंगासागर, कुरुक्षेत्र, चित्रकूट, पुष्कर सहित कई स्थानों में भगवान पितरों के श्रद्धापूर्वक किए गए श्राद्ध से उन्हें मोक्ष प्रदान कर देते हैं, लेकिन गया में किए गए श्राद्ध की महिमा विशेष है। कहा जाता है कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम और सीताजी ने भी राजा दशरथ की आत्मा की शांति के लिए गया में ही पिंडदान किया था। सही मायनों में पितृपक्ष में पितरों को देने और बद्ध कर्म करने से उनको मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस दौरान न केवल पितरों की मुक्ति के लिए श्राद्ध किया जाता है, बल्कि उनके प्रति अपना सम्मान प्रकट करने के लिए भी किया जाता है। पितृपक्ष में पूर्वक अपने पूर्वजों को जल देने का भी विधान है।

श्राद्ध की मान्यता महाभारत काल से भी जुड़ी है। गरुड़ पुराण में भीष्म पितामह ने युधिष्ठिर के संवाद बताए गए हैं। महाभारत काल में तातश्री भीष्म पितामह ने युधिष्ठिर को पितृपक्ष में श्राद्ध और उसके महत्व को बताया था। भीष्म पितामह ने बताया था कि अत्रि मुनि ने सबसे पहले श्राद्ध के बारे में महर्षि निमि को ज्ञान दिया था। अपने पुत्र की आकस्मिक मृत्यु से दुःखी होकर निमि ऋषि ने अपने पूर्वजों का आह्वान करना शुरू कर दिया था। इसके बाद पूर्वज उनके सामने प्रकट हुए और कहा निमि, आपका पुत्र पहले ही पितृ देवों के बीच स्थान ले चुका है। चूंकि आपने अपने दिवंगत पुत्र की आत्मा को खिलाने और पूजा करने का कार्य किया है, यह वैसा ही है जैसे आपने पितृ यज्ञ किया था। उस समय से श्राद्ध को सनातन धर्म का महत्वपूर्ण अनुष्ठान माना जाता है। इसके बाद से महर्षि निमि ने भी श्राद्ध कर्म शुरू किए और उसके बाद से सारे ऋषि-मुनियों ने श्राद्ध करना शुरू कर दिए थे. कुछ मान्यताएं बताती हैं कि युधिष्ठिर ने कौरव और पांडवों की ओर से युद्ध में मारे गए सैनिकों के अंतिम संस्कार के बाद उनका श्राद्ध किया था।अगर कारणवश पितरों के निधन की तिथि पता नहीं है, तो ऐसे में आप सर्व पितृ अमावस्या के दिन उनके नाम से श्राद्ध कर सकते हैं। इस दिन सभी के नाम से श्राद्ध किया जाता है। पितृपक्ष के दौरान प्रतिदिन पितरों के लिए तर्पण करना चाहिए। तर्पण के लिए आपको कुश, अक्षत्, जौं और काला तिल का उपयोग करना चाहिए। तर्पण करने के बाद पितरों से प्रार्थना करें और गलतियों के लिए क्षमा मांगें। पितृपक्ष में पितरों की आत्मा की शांति के लिए जो भी श्राद्ध कर्म करते हैं, उन्हें इस दौरान बाल और दाढ़ी नहीं कटवाना चाहिए। साथ ही इन दिनों में घर पर सात्विक भोजन ही बनाना चाहिए। तामसिक भोजन से पूरी तरह में परहेज करना चाहिए। जो भी हो पितरों के प्रति श्रद्धा भाव से उन्हें याद किये जाने की परम्परा आज तक चल रही है जो हमारी आदर्श परम्परा है।

# डाक टिकटें जो बापू की याद दिलाएं

**नंदकिशोर अग्रवाल**

**मोबाइल : 9945395760**

गांधी जी का जीवन नदी की भांति था जिसमें कई धाराएं मौजूद हैं। उनके अपने जीवन में शायद ऐसी कोई बात रही हो, जिस पर उनका ध्यान न गया हो या फिर उन्होंने उस पर अपने विचारों को प्रकट न किया हो। गांधीजी के जीवन में बड़ा बदलाव उस समय आया, जब दक्षिण अफ्रीका में उन्हें नस्लीय भेदभाव का सामना करना पड़ा। इसके बाद उन्होंने उस कड़वाहट को छोड़कर सविनय अवज्ञा का मार्ग अपनाया। यही सिद्धांत आजादी के समय काम आया।

बापू का जीवन दर्शन पूरे विश्व के लिए एक आदर्श उदाहरण है। सत्य, अहिंसा, सेवा और करूणा की विचारधारा के साथ वे आजीवन खड़े रहे। उनके विचार आज भी काफी प्रासंगिक एवं महत्वपूर्ण हैं। गांधीजी चाहते थे कि अपने देश को स्वच्छ बनाने के लिए हर व्यक्ति स्वयं की प्रेरणा से पहल करें। आज देश इस बारे में चिंतन भी कर रहा है। महात्मा गांधी ईश्वर के दर्शन प्राणी मात्र में करते थे। कभी चरखे में, कभी हिंदू -मुस्लिम एकता में, तो कभी अस्पृशता निवारण में ईश्वर के दर्शन करते थे। आज विश्व महात्मा गांधी जी की जयंती मना रहा है, जिसने विश्व को मानवता व शांति का संदेश दिया। गांधी जी के जन्म के 150वें जयंती वर्ष पर पिछले एक साल में 100 से ज्यादा देशों ने इस महान देवदूत के सम्मानार्थ डाक टिकटें जारी की, जो एक विश्व कीर्तिमान है।

## व्यक्तित्व

# लाल बहादुर शास्त्री : छोटा कद दृढ़ व्यक्तित्व

**ई प्रभात किशोर**

**मोबाइल : 8544128428**

लोकतंत्र में राजनीति जनसेवा का सशक्त माध्यम होती है। नीति व सिद्धान्तों पर आधारित राजनीति करने वाले साधक युगों-युगों तक इस धरा पर अपनी अमिट पहचान छोड़ जाते हैं। व्यापक जनहित के प्रति समर्पित मनोभाव से की जाने वाली ऐसी हीं राजनीति के पर्याय थे -भारतवर्ष के द्वितीय प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री।

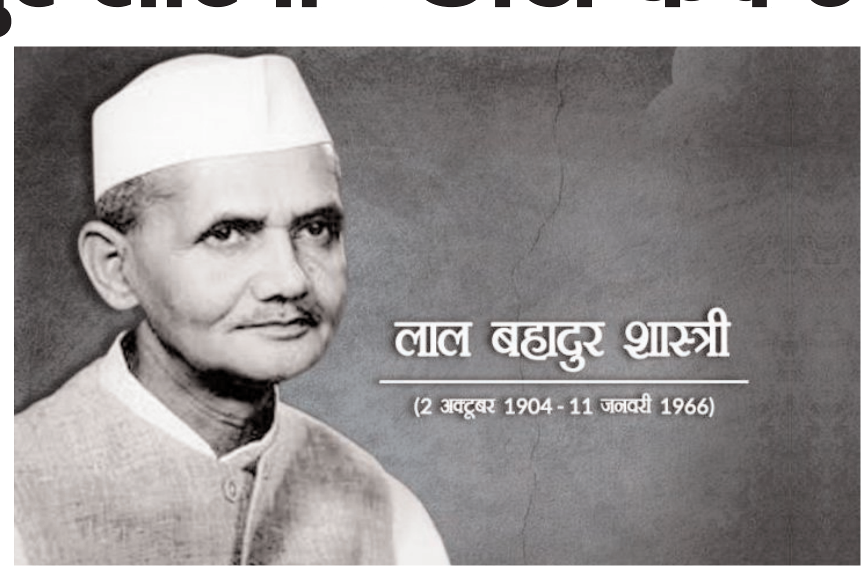


लाल बहादुर श्रीवास्तव का जन्म 2 अक्टूबर 1904 को उत्तर प्रदेश के दीनदयालनगर (पूर्व नाम मुगलसराय) में हुआ था। सन् 1926 में काशी विद्यापीठ से संस्कृत भाषा में स्नातक स्तर की शास्त्री की उपाधि मिलने के बाद उन्होने जन्म से चले आ रहे जातिसूचक उपनाम श्रीवास्तव को हटाकर अपने नाम के आगे शास्त्री लगा लिया। काशी विद्यापीठ से शिक्षा प्राप्ति के उपरान्त वे लाला लाजपत राय द्वारा स्थापित लोक सेवक मंडल के आजीवन सदस्य बन गए तथा राष्ट्र सेवा का संकल्प लेते हुए संघर्षशील राजनीतिक जीवन की शुरूआत की।

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान सन् 1921 में असहयोग आंदोलन, 1930 में दांडी मार्च, 1932 में सविनय अवज्ञा आंदोलन एवं 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन में उनकी सक्रिय भागीदारी रही। द्वितीय विश्व युद्ध में ईंग्लैंड को उलझता देख कांग्रेस ने 8 अगस्त 1942 की रात्रि में मुम्बई से अंग्रेजो को भारत छोड़ो और देशवासियों को करो या मरो का आह्वान किया। 11 दिन भूमिगत रहने के उपरान्त शास्त्रीजी 19 अगस्त 1942 को गिरफ्तार कर लिये गये। सन् 1946 तक उन्हें जेल में रखा गया। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात सर्वप्रथम उन्हें उत्तर प्रदेश में संसदीय सचिव तथा सन् 1947 में पंडित गोविन्द वल्लभ पंत के मंत्रिमंडल में पुलिस एवं परिवहन मंत्री बनाया गया। पुलिस मंत्री के रूप में उन्होंने प्रदर्शनों के दौरान उग्र भीड़ के नियंत्रण हेतु लाठी की जगह पानी की जेट बौछार का अनूठा प्रयोग किया, जबकि परिवहन मंत्री के रूप में महिला कंडक्टरों की नियुक्ति कर महिला सशक्तिकरण की मिसाल कायम की। सन् 1952 में वे सोरांव-सह-फुलपुर क्षेत्र से उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए निर्वाचित हुए, परन्तु आश्चर्यजनक रूप से नेहरूजी के द्वारा उन्हें केन्द्र में बुला लिया गया और 13 मई 1952 को रेल मंत्री बनाया गया। सन् 1952 में वे राज्य सभा के लिए चुने गए। उन्होंने सन् 1955 में चेन्नई में इंटीग्रल कोच फैक्टरी में पहली मशीन स्थापित की। सन् 1956 में महबूबनगर रेल दुर्घटना (जिसमें 112 लोगो की मौत हुई थी) के लिए नैतिकता के आधार पर उन्होंने रेल मंत्री के पद से त्याग पत्र दे दिया, जिसे स्वीकार नहीं किया गया। तीन माह बाद हीं अरियालूर रेल दुर्घटना में 114 लोग मारे गये। उन्होने पुनः त्याग पत्र दिया, जिसे इस तर्क के साथ स्वीकार किया गया कि सार्वजनिक जीवन जीने वालों के लिए यह एक आदर्श प्रस्तुत करेगी।

सन् 1957 के द्वितीय लोक सभा चुनाव वे विजयी हुए एवं 1958 में भारत सरकार में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री बनाये गये। वे 4 अप्रैल 1961 से 29 अगस्त 1963 तक भारत के गृह मंत्री रहे। सन 1963 में कामराज योजना के तहत उन्होने पद त्याग दिया, परन्तु जब नेहरूजी अस्वस्थ रहने लगे तो उनकी सहायता हेतु जनवरी 1964 में वे पुनः केन्द्र सरकार में अविभागीय के मंत्री के रूप में सम्मिलित किए गए। 24 मई 1964 को नेहरूजी के आकस्मिक निधन के उपरान्त 9 जून 1964 को उन्होंने स्वतंत्र भारत के द्वितीय प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली, जिसपर वे मृत्यु-पर्यन्त यानी 11 जनवरी 1966 तक बने रहे। सन् 1964 में उन्होने भारतीय तमिलों की स्थिति में सुधार हेतु श्रीलंका के तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमावो बंदरा नाईक के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए, जो श्रीमावो-शास्त्री संधि शास्त्रीजी के रूप में चर्चित है।

शास्त्रीजी का स्पष्ट विचार था कि राष्ट्र की सुरक्षा, आत्मनिर्भरता एवं सुख-समृद्धि सैनिकों एवं शस्त्रों के साथ-साथ कृषकों एवं श्रमिकों पर समान रूप से निर्भर है। इसलिए उन्होने जय जवान जय किसान शास्त्रीजी के उद्घोष के साथ देशवासियों में नया उत्साह जागृत किया। उनके शासनकाल में सन् 1965 में पाकिस्तान के द्वारा भारत पर आक्रमण कर दिया गया। उन्होंने राष्ट्र को सशक्त नेतृत्व प्रदान किया तथा जबावी कार्रवाई हेतु सुरक्षा बलों को पूरी स्वतंत्रता दी। भारतीय सेना डटकर मुकाबला करते हुए लाहौर के समीप पहुंच गयी। रूस एवं अमेरिका की मिलीभगत से एक सोची समझी साजिश के तहत ताशकंद में भारत पाकिस्तान के बीच समझौता वार्ता रखी गयी, जिसपर शास्त्रीजी राजी हो गए। पाकिस्तान के राष्ट्रपति अयूब खान एवं शास्त्रीजी के द्वारा युद्धविराम के समझौते पर हस्ताक्षर किए गए, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय दबाव में भारत के द्वारा जीती हुई भूमि पाकिस्तान को लौटाये जाने की बात अंकित थी। हालांकि भारतीय दृष्टिकोण से यह अनुचित एवं आत्मघाती कदम था। युद्ध विराम समझौते के कुछ घंटे बाद 11 जनवरी 1966 को ताशकंद के होटल में उनकी मृत्यु का हृदयविदारक समाचार प्राप्त हुआ। बताया गया कि उनकी मौत हृदयाघात से हुई है, परन्तु उनके परिवारजनों एवं देशवासियों के द्वारा कयास लगाए गए कि उन्हें विष दिया गया था। सन् 1966 में मरणोपरान्त उन्हें भारतवर्ष के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया।

लगभग तीस वर्षों तक अपनी समर्पित सेवा के दौरान लाल बहादुर शास्त्री ने उपनी उदात निष्ठा का परिचय दिया। प्रधानमंत्री के रूप में उनके क्रियाकलाप सैद्धान्तिक न होकर पूरी तरह व्यवहारिक एवं आमजन की आवश्यकताओं के अनुरूप थे। अपने अठारह माह के छोटे से प्रधानमंत्रित्व कार्यकाल में उन्होंने देश में दुग्ध उत्पादन एवं आपूर्ति में वृद्धि हेतु राष्ट्रीय स्तर पर श्वेत क्रान्ति तथा खाद्यान्न उत्पादन में वृद्धि हेतु हरित क्रान्ति का सूत्रपात किया। उन्होंने राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड बनाया तथा गुजरात के आनंद में स्थित अमूल दुग्ध सहकारी को बढ़ावा दिया। विनम्र, दृढ़, सहिष्णु एवं जबर्दस्त आंतरिक शक्ति वाले शास्त्रीजी ने अपनी दूरदर्शिता का परिचय देते हुए देश को प्रगति के पथ पर अग्रसर करने में सफलता प्राप्त की।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

# प्रधानमंत्री ने उठाई झाड़ू, एक पार्क में किया श्रमदान

## देशभर में लोगों ने लिया स्वच्छता अभियान में हिस्सा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की राष्ट्रव्यापी स्वच्छता अभियान की अपील पर नेताओं से लेकर छात्रों तक, सभी क्षेत्रों के लोगों ने रविवार को एक घंटे के श्रमदान में हिस्सा लिया। खुद, प्रधानमंत्री मोदी ने भी हाथ में झाड़ू थामकर एक पार्क में सफाई की।

प्रधानमंत्री ने फिटनेस और वर्कआउट की पारंपरिक व देसी शैलियों को बढ़ावा देने के लिए प्रसिद्धि हासिल करने वाले अंकित बैयानपुरिया के साथ एक पार्क में श्रमदान करने से जुड़ा वीडियो सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, 'आज जब राष्ट्र स्वच्छता पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, अंकित बैयानपुरिया और मैंने भी ऐसा ही किया! स्वच्छता से परे, हमने फिटनेस और बेहतर स्वास्थ पर भी ध्यान केंद्रित किया। यह सब स्वच्छ और स्वस्थ भारत के बारे में है !'

वीडियो में प्रधानमंत्री और बैयानपुरिया स्वास्थ्य से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करते दिखाई दे रहे हैं। इस दौरान, प्रधानमंत्री ने बैयानपुरिया से स्वच्छता अभियान में फिटनेस के महत्व पर बात की। बैयानपुरिया ने प्रधानमंत्री से सवाल किया कि वह कितनी कसरत कर पाते हैं? जवाब में प्रधानमंत्री ने कहा, 'मैं ज्यादा एक्सरसाइज नहीं करता, लेकिन रोजमर्रा की जिंदगी के लिए जितना चाहिए... मैं अनुशासन का पालन करता हूं। दो चीजों में अभी अनुशासन का पालन नहीं कर पा रहा हूं। एक तो खाने का टाइम नहीं... और दूसरा, सोने के लिए मुझे समय देना चाहिए, वह मैं दे नहीं पा रहा हूं।' वीडियो में प्रधानमंत्री को झाड़ू लगाते और कचरा उठाते भी देखा जा सकता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि देश में धीरे-धीरे स्वच्छता का वातावरण बन रहा है और अब तो बच्चे भी बड़ों को गंदगी फैलाने पर टोकने लगे हैं।

स्वच्छ भारत अभियान के माध्यम से

# प्रधानमंत्री ने गांधी के 'स्वच्छता ही सेवा' के मंत्र को लागू किया : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली ।** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि जनभागीदारी की शक्ति से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वच्छ भारत अभियान के माध्यम से महात्मा गांधी के 'स्वच्छता ही सेवा' के मंत्र को लागू किया है।

दो अक्टूबर को गांधी जयंती की पूर्व संध्या पर प्रधानमंत्री मोदी द्वारा सभी नागरिकों से स्वच्छता के लिए एक घंटे के श्रमदान की अपील पर शाह ने अहमदाबाद में स्वच्छता अभियान में हिस्सा लिया।

झाड़ू चलाकर शाह ने अहमदाबाद में रानीप बस स्टॉप और आसपास के क्षेत्र को साफ करने के अभियान में भाग लिया। शाह ने 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में कहा, ''स्वच्छता में ही भगवान का वास है।'' शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने समाज की कई समस्याओं को जन आंदोलन में बदल दिया है और स्वच्छता इनमें पहला है। गृह मंत्री ने कहा, ''स्वच्छ भारत अभियान को जन भागीदारी की शक्ति से जोड़कर, प्रधानमंत्री मोदी ने गांधी जी के स्वच्छता ही सेवा के मंत्र को लागू किया है।''

शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री से प्रेरणा लेकर प्रत्येक भारतीय स्वच्छता को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाकर देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान पर आज मैंने अहमदाबाद में स्वच्छता अभियान में भाग लिया। आइए हम सब मिलकर स्वच्छ और स्वर्णिम भारत के निर्माण में योगदान दें।''

# 'स्वच्छता ही सेवा' सफाई अभियान का आयोजन किया पावरग्रिड ने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु । महारत्न पीएसयू पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड ने 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के हिस्से के रूप में सिंगानायकनहल्ली बस स्टॉप पर सफाई अभियान का आयोजन किया। यह अभियान 15 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलाया जाएगा।

कार्यकारी निदेशक (दक्षिणी क्षेत्र-2) एमके गुप्ता ने स्वच्छता और सफाई मित्रों के कल्याण पर ध्यान केंद्रित करते हुए एसएचएस-2023 थीम 'कचरा मुक्त भारत' पर सफाई अभियान का उद्घाटन किया।

गुप्ता ने कहा, 'स्वच्छता एक संस्कृति है, जो पावरग्रिड के डीएनए में समाहित हो गई है। अभियान के हिस्से के रूप में पावरग्रिड के सभी प्रतिष्ठानों ने बड़े उत्साह के साथ इस विशाल अभियान में भाग लिया और कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में स्वच्छता का संदेश फैलाने के लिए कर्मचारियों और स्थानीय लोगों को शामिल किया।

श्रमदान गतिविधि में 200 से अधिक लोगों ने भाग लिया, जिसमें क्षेत्रीय कार्यालय के पावरग्रिड कर्मचारी और सिंगानायकनहल्ली पंचायत के स्थानीय लोग थे। स्वच्छता के महत्त्व पर जोर देने के लिए पावरग्रिड कार्यस्थलों पर सफाई अभियान, कार्यालयों, स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम आदि की पहल करता रहता है।

# वायुसेना स्टेशन की मैराथन में दिखा उत्साह, 3,000 से ज्यादा लोगों ने भाग लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु । भारतीय वायुसेना की 91वीं वर्षगांठ के अवसर पर वायुसेना स्टेशन, येलहंका ने रविवार को मैराथन का आयोजन किया, जिसमें 3,000 से ज्यादा लोगों ने भाग लिया। प्रतिभागियों में वायु योद्धाओं और उनके परिवारों के साथ आम नागरिक भी थे। इसके अलावा सेना और सीएपीएफ इकाइयों के लोग शामिल हुए। वायुसेना स्कूल और केंद्रीय विद्यालय सहित स्थानीय स्कूलों के विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में भाग लेते हुए बहुत उत्साह दिखाया। एयर मार्शल आर राधिश ने एयरबेस के क्षेत्र से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसकी दो श्रेणियां थीं- लगभग 21 किलोमीटर की हाफ मैराथन और 10 किलोमीटर की

मिनी मैराथन। भूपेन्द्र और ममता क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग में हाफ मैराथन में अव्वल रहे। जबकि साईं चरण और जयश्री ने मिनी मैराथन के पुरुष और महिला वर्ग में शीर्ष सम्मान हासिल किया।

दौड़ के बाद मुख्य अतिथि एयर मार्शल एसके इंदौरिया ने नकद पुरस्कार और ट्रॉफियां देते हुए नागरिकों की भागीदारी के लिए सराहना की। उन्होंने कर्मियों, परिवारों और विद्यार्थियों के उत्साह को सराहा। इस मैराथन का उद्देश्य आम नागरिकों को अपने सैन्य भाइयों के करीब लाने के साथ उन्हें सशस्त्र बलों को एक करियर विकल्प के रूप में चुनने के लिए प्रोत्साहित करना भी था।

# 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के तहत केनरा बैंक ने किया श्रमदान

## 500 से अधिक प्रतिभागियों ने पूरे क्षेत्र की सफाई की और कचरा इकट्ठा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु । केनरा बैंक ने रविवार सुबह 10 बजे पूरे 'कचरा मुक्त भारत' थीम के साथ 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान का आयोजन किया। प्रबंध निदेशक और सीईओ के सत्यनारायण राजू के साथ सभी कार्यकारी निदेशकों, मुख्य महाप्रबंधकों, महाप्रबंधकों, आम नागरिकों सहित अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों ने कृष्ण राव पार्क, दीवान माधव राव रोड और द्वारकानाथ भवन के पास नेटकलप्पा सर्कल पर स्वच्छता अभियान में भाग लिया।

500 से अधिक प्रतिभागियों ने पूरे क्षेत्र की सफाई की और कचरा इकट्ठा किया। कचरे को अलग-अलग श्रेणियों में बांटकर डंपिंग यार्ड में रखा गया। इसके अलावा कॉलेजों, स्कूलों, अस्पतालों, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, बस स्टैंड आदि के परिसरों की सफाई की गई।

केनरा बैंक ने भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग द्वारा आयोजित स्वच्छता ही सेवा (एसएचएस) अभियान के समर्थन में पूरे भारत में अपने 24 सर्कल कार्यालयों, 176 आरओ और अन्य कार्यालयों/शाखाओं/व्यावसायिक इकाइयों में उक्त अभियान का आयोजन किया।

# सार्वजनिक स्थानों पर सफाई के महत्त्व पर जोर दिया

**बेंगलूरु/दक्षिण भारत।** राष्ट्रव्यापी 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के हिस्से के रूप में सेना के जवानों, उनके परिवारों, बच्चों, एनसीसी छात्रों, बीबीएमपी कर्मियों सहित 2,000 से ज्यादा लोगों ने रविवार सुबह कर्नाटक मुख्यालय के तत्वावधान में उल्सूर झील और उसके आसपास बड़े पैमाने पर सफाई अभियान चलाया। इस अवसर पर मेजर जनरल रवि मुरुगन ने स्वयंसेवकों के प्रयासों की सराहना की और सार्वजनिक स्थानों पर सफाई बनाए रखने के महत्त्व पर जोर दिया। उन्होंने लोगों से पर्यावरण को स्वच्छ रखने की पहल में शामिल होने का आह्वान किया।

# स्वच्छता पखवाड़े में रेल पहिया कारखाने में आयोजित हुए अनेक कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। रेल पहिया कारखाने परिसर में रविवार को स्वच्छता पर लोगों को जागरूक करने के लिए पीसीएमई राजगोपाल ने जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस आयोजन में 300 से अधिक अधिकारियों व कर्मचारियों ने आरडब्ल्यूएफ की आवासीय कॉलोनी के आसपास स्वच्छता अभियान चलाया तथा सफाई की। इस कार्यक्रम में आर राजगोपाल सहित पीएचओडी, एचओडी और अन्य अधिकारियों ने भाग लिया। आरडब्ल्यूएफ में स्वच्छता पखवाड़े का समापन गांधी जयंती पर सम्पन्न होगा। इस पखवाड़े में स्वच्छता अभियान के अलावा स्वच्छ प्रतिस्पर्धा के तहत - कर्मचारियों के लिए एक निबंध प्रतियोगिता और केन्द्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए ड्राइंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया। शुक्रवार को 'एकल उपयोग प्लास्टिक को कहें ना' विषय पर एक सेमिनार आयोजित किया गया जिसमें पर्यावरणविद् डॉ. सेल्वाराजन ने व्यवहारिक विकास की आवश्यकता के बारे में बात करते हुए प्लास्टिक के उपयोग को कम करने पर प्रकाश डाला।

# दपरे ने व्यापक सफाई अभियान चलाया

## महाप्रबंधक ने कहा - स्वच्छता की उच्च गुणवत्ता के लिए किए जा रहे हर संभव प्रयास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बली/दक्षिण भारत। दक्षिण पश्चिम रेलवे ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि के रूप में स्वच्छता के लिए एक घंटे के नागरिक श्रमदान के तहत बड़े पैमाने पर सफाई अभियान चलाया।

दपरे के महाप्रबंधक संजीव किशोर ने हुब्बली स्टेशन के दूसरे प्रवेश द्वार से लेकर गडग रोड, रेल सौधा तक सफाई अभियान का नेतृत्व किया। हुब्बली-धारवाड़ सेंट्रल विधायक महेश तेंगिनाकाई, एमएलसी प्रदीप शेट्टार, मेयर वीणा चेतन बरदवाड ने स्वच्छता अभियान में भाग लिया।

संजीव किशोर ने कहा कि रेलवे परिसरों और ट्रेनों की सफाई हमारी प्राथमिकता में से एक है। स्वच्छता की उच्च गुणवत्ता के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें स्वच्छता के विचार को दूर-दूर तक फैलाना चाहिए और इसे अपने जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए।

बाद में महाप्रबंधक ने हुब्बली रेलवे स्टेशन पर एसएसएस बेंगलूरु-धारवाड़ वंदे भारत एक्सप्रेस में कोचों और शौचालयों, खानपान सुविधाओं की सफाई का निरीक्षण किया। उन्होंने वंदे भारत एक्सप्रेस के यात्रियों, ओबीएचएस स्टाफ, कैटरिंग स्टाफ और चालक दल के साथ बातचीत की और उनकी प्रतिक्रिया नोट की।

इस अवसर पर अतिरिक्त महाप्रबंधक यू सुब्बा राव, मंडल रेल प्रबंधक हर्ष खरे, विभागों के प्रमुख, वरिष्ठ अधिकारी, भारत स्काउट्स और गाइड के सदस्य, कर्मचारी और बड़ी संख्या में आम जनता ने भी अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया। इसी तरह, मैसूरु और हुब्बली मंडल में भी बड़े पैमाने पर सफाई अभियान चलाया गया है। रेलवे को स्वच्छ और हरित बनाए रखने में मदद करने के लिए रेल यात्रियों को जागरूक करने के वास्ते स्टेशनों पर फील्ड इकाइयां, फ्रंटलाइन कर्मचारी जागरूकता अभियान में व्यस्त रहे।

# स्वच्छता के लिए प्रतिबद्ध होकर शपथ ली

**बेंगलूरु/दक्षिण भारत।** 'स्वच्छता ही सेवा' और 'एक तारीख, एक घंटा अभियान' के हिस्से के रूप में एयर फोर्स टेक्निकल कॉलेज (एएफटीसी) ने रविवार को सुब्रतो मुखर्जी रोड पर (शेट्टीहल्ली क्रॉस से अयप्पा मंदिर तक) बड़े पैमाने पर सफाई अभियान चलाया। यह कार्यक्रम महात्मा गांधी को उनकी जयंती की पूर्व संध्या पर श्रद्धांजलि के रूप में आयोजित किया गया। इसमें लगभग 150 कर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। एयर कमोडोर रत्नेश गुप्ता ने अभियान का नेतृत्व किया। एएफटीसी के सभी कर्मियों ने 'स्वच्छता ही सेवा' के लिए प्रतिबद्ध होकर 'स्वच्छता शपथ' ली।

# 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान में सफाई का संदेश दिया दक्षिण रेलवे ने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिण रेलवे ने रविवार को 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के तहत सफाई कार्यक्रम का आयोजन किया। रेलवे द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, 'कचरा मुक्त भारत' थीम पर केंद्रित व्यापक स्वच्छता अभियान पूरे जोन में 360 रेलवे स्टेशनों, 43 रेलवे कॉलोनियों, 47 रखरखाव डिपो और कार्यशालाओं, 30 स्वास्थ्य इकाइयों और 30 रनिंग रूम में 1,200 से ज्यादा जगहों पर आयोजित किया गया। इस अभियान में 12,000 से अधिक स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

दक्षिण रेलवे के महाप्रबंधक आरएन सिंह ने चेन्नई एग्मोर में अभियान का आगाज किया। उन्होंने प्रधान मुख्य मैकेनिकल इंजीनियर पी सुरेश, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक पी महेश, मुख्य परियोजना प्रबंधक/गति शक्ति चैल्लम और रेलवे के अन्य अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ श्रमदान किया।

अतिरिक्त महाप्रबंधक कौशल किशोर ने डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल में मंडल रेल प्रबंधक बी विश्वनाथ एरया, अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ अभियान में भाग लिया। इस दौरान कोयंबटूर - डॉ. एमजीआर वंदे भारत एक्सप्रेस की '14 मिनट की चमत्कारिक' सफाई की गई।

दक्षिण रेलवे के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी विभिन्न स्थानों पर आयोजित अभियानों में भाग लिया। इनमें स्काउट्स और गाइड्स, गैर-सरकारी संगठनों, स्वयंसेवकों, रेल यात्रियों और आम जनता ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

RNI No. : TNHIN/2013/52520 Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016 posted at Patrika Channel, Egmore RMS, Chennai-8

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.